7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 सीएम योगी ने अपने गुरु को दी श्रद्धांजलि
5 यूपी के इस गांव में खुलेआम चल रहा मतांतरण का खेल
8 शुभमन गिल

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 12 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 15 सितम्बर ,2025

मिजोरम के लिए बड़ा दिन

पीएम मोदी ने दी 9000 करोड़ की सौगात

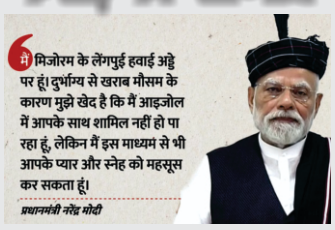

दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री ने कहा था कि असली विकास तभी होगा, जब बुनियादी ढांचा देश के सुदूर इलाकों तक पहुंचे, चाहे वह सीमावर्ती क्षेत्र हों या दूर–दराज के राज्य। उनकी एक दृष्टि यह भी थी कि हर राज्य की राजधानी को रेल से जोड़ा जाए। मिजोरम के लिए ऐतिहासिक दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वोत्तर राज्य की राजधानी आइजोल पहुंच गए हैं। हालांकि, भारी बारिश की वजह से प्रधानमंत्री लेंगपुई हवाई अड्डे से हेलीकॉप्टर के जरिए लामुअल ग्राउंड तक नहीं पहुंच सके। रात से ही रुक–रुक कर बारिश हो रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिजोरम के बहुप्रतीक्षित बैराबीदृसैरांग रेलवे लाइन का उद्घाटन किया। इससे पहले प्रधानमंत्री ने कहा था कि असली विकास तभी होगा, जब बुनियादी ढांचा देश के सुदूर इलाकों तक पहुंचे, चाहे वह सीमावर्ती क्षेत्र हों या दूर–दराज के राज्य। उनकी एक दृष्टि यह भी थी कि हर राज्य की राजधानी को रेल से जोड़ा जाए। आजादी के 78 वर्षों और भारतीय रेलवे के शुरू होने के 172 वर्षों के बाद मिजोरम आज रेलवे से जुड़ने के साथ ही देश की राजधानी से जुड़ने जा रहा है। यह पहली बार है, जब मिजोरम के लोग रेल की सीटी सुन रहे हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने आइजोल में 9,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

ट्रंप पर ही उल्टा पड़ेगा टैरिफ का दांव

2026 तक गरीबी में रह रहे अमेरिकियों की संख्या में लगभग 10 लाख की वृद्धि हो सकती है
आय के बजाय वस्तुओं और सेवाओं पर लगने से अमेरिकियों पर ज्यादा असर डालेगा टैरिफ

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ से 2026 तक अमेरिका में गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या में लगभग 10 लाख की वृद्धि हो सकती है। टैरिफ और उससे जुड़ी कीमतों में बढ़ोतरी का सबसे ज्यादा असर कम आय वाले परिवारों पर पड़ता है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि टैरिफ अमेरिकी परिवारों पर एक कर है क्योंकि टैरिफ आय के बजाय वस्तुओं और सेवाओं पर कर है।

अमेरिका में औसत प्रभावी टैरिफ दर बढ़कर 17.4 प्रतिशत हो गई है

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ को लेकर दावा करते आ रहे हैं कि इससे राजस्व में वृद्धि होगी और अमेरिकियों को लाभ मिलेगा। लेकिन येल यूनिवर्सिटी के बजट लैब द्वारा किए गए एक विश्लेषण के अनुसार, टैरिफ ज्यादा अमेरिकियों को गरीबी की ओर धकेल सकते हैं।

विश्लेषण में पाया गया है कि ट्रंप द्वारा टैरिफ में की गई बढ़ोतरी से 2026 तक गरीबी में रह रहे अमेरिकियों की संख्या में लगभग 10 लाख की वृद्धि हो सकती है। इस अध्ययन में आधिकारिक गरीबी माप का उपयोग किया गया है, जो प्री–टैक्स आय के आधार पर गरीबी की गणना करता है।

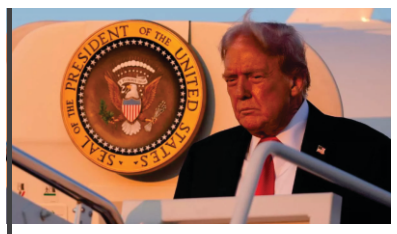

अमेरिकी जनगणना ब्यूरो ने बताया था कि पिछले साल के अंत तक 3.6 करोड़ लोग गरीबी में जी रहे थे। आय में जीवन–यापन की लागत के अनुरूप वृद्धि होने से गरीबी दर 0.4 प्रतिशत अंक घटकर 10.6 प्रतिशत रह गई। बजट लैब ने अधिक व्यापक माप, पूरक गरीबी माप का विश्लेषण करने पर पाया कि गरीबी में भी वृद्धि होगी।

एक माह में 15 घरों से करोड़ों की चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गैंग का खुलासा, आठ गिरफ्तार

गोरखपुर,संवाददाता। पुलिस जांच में पर्दाफाश हुआ कि यह गैंग संगठित तरीके से काम करता था। सबसे पहले दो–तीन लोग इलाके में घूमकर घरों की रेकी करते थे। फिर गिरोह के बाकी सदस्य रात के समय सेंध लगाकर नकदी, गहने और कीमती सामान चुरा ले जाते थे। चोरी का माल सराफा कारोबारियों के जरिये खपाया जाता था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ में कई जिलों में हुई वारदातों का पर्दाफाश हुआ है।

एंटी थेप्ट सेल व खजनी पुलिस की संयुक्त टीम ने अंतरराज्यीय चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान संतकबीरनगर के बखिरा बंजरिया परसा निवासी चांद अली उर्फ तौफिक, इरफान, परवेज, अफरोज, सराफा व्यापारी गौरीशंकर और उसका बेटा आदित्य सोनी, सिकरीगंज के जिगनी निवासी सोनू, हरपुर बुदहट के औराई निवासी भीम के रूप में हुई है।

यह गैंग पिछले एक माह में गोरखपुर समेत आसपास के जिलों में 15 से अधिक घरों में सेंध लगाकर नकदी समेत तीन करोड़ों रुपये का माल उड़ा चुका है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से करीब 5.45 लाख रुपये नकद, एक करोड़ रुपये मूल्य के जेवर और पांच किलो चरस बरामद की है। यह गैंग पहले घरों की रेकी करता और फिर सूनसान इलाकों या बाहर गए परिवारों को निशाना बनाकर वारदात को अंजाम देता था।

एसएसपी राजकरन नय्यर और एसपी साउथ जितेंद्र कुमार ने बुधवार को पुलिस लाइंस में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पकड़ा गया गिरोह 22 जुलाई से 30 अगस्त के बीच 15 मकानों से नकदी समेत तीन करोड़ रुपये कीमत के जेवर उड़ाए थे। मामले की जांच में जुटी पुलिस ने सर्विलांस, सीसीटीवी कैमरे और मोबाइल टॉवरों के जरिये आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

शिवदयाल प्रजापति के तीन पुत्र हैं, पिता की देखभाल करने को तैयार नही है

जिन्दगी का दर्द

25 करोड़ की संपत्ति के मालिक, फिर भी अकेले जिन्दगी गुजारने को मजबूर 90 वर्षीय सेवानिवृत्त एएसआई

शिवदयाल प्रजापति

छत्तीसगढ़,एजेंसी। इंसान जीवन भर परिवार के लिए मेहनत करता है, लेकिन जब जीवन की संध्या आती है, तो वही परिवार साथ छोड़ दे, इससे बड़ा दुःख और क्या हो सकता है। रामानुजगंज थाना से एएसआई पद से 31 जनवरी 1997 को सेवानिवृत्त हुए शिवदयाल प्रजापति आज लगभग 90 वर्ष के हो चले हैं। करीब 25 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के मालिक होने के बावजूद वे अकेलेपन की जिंदगी जीने को मजबूर हैं।

शिवदयाल प्रजापति के तीन पुत्र हैं और सभी की शादियां हो चुकी हैं। सभी आर्थिक रूप से सक्षम हैं और अच्छे से जीवन यापन कर रहे हैं। बावजूद इसके, कोई भी पिता की देखभाल करने को तैयार नहीं है। वर्तमान में वे स्वयं खाना बनाते हैं और अकेले ही अपना जीवन काट रहे हैं। कुछ दिनों पहले उनकी आंखों की रोशनी कमजोर हो गई, जिसके बाद एक नाति उनकी देखभाल करने के लिए उनके साथ रहने लगा है।

शिवदयाल प्रजापति ने बताया कि जीवन भर उन्होंने अपने बच्चों की खुशियों के लिए सब कुछ किया, लेकिन आज उनका हाल पूछने वाला कोई नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि बेटों के पास धन की कोई कमी नहीं है, फिर भी वे पिता के प्रेम और सेवा से कोसों दूर हैं। समाज में यह एक चिंताजनक स्थिति है कि जहां बुजुर्गों की सेवा को कर्तव्य माना जाता था, आज वही उपेक्षा और तिरस्कार के शिकार हो रहे हैं।

शिवदयाल प्रजापति के तीन पुत्र हैं और सभी की शादियां हो चुकी हैं। सभी आर्थिक रूप से सक्षम हैं और अच्छे से जीवन यापन कर रहे हैं।

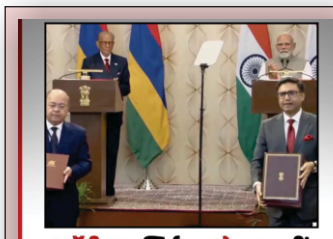

'मॉरीशस सिर्फ साझेदार नहीं, परिवार है'— पीएम मोदी ने गिफ्ट में दी 100 इलेक्ट्रिक बसें

उपराष्ट्रपति चुनाव में क्रॉस वोटिंग से इंडिया ब्लॉक पर सवाल

नीतीश खोल रहे खजाना, गोलियों की गड़गड़ाहट के बीच NDA के अरमानों पर किसका वार?

पाकिस्तानी भाभी का दरभंगा कनेक्शन! 100 करोड़ का घोटाला, गजब की चालाकी

बिना शादी के बनीं मां! भोजपुरी सिंगर ने AIIMS में दिया बच्चे को जन्म

गरीब के साथ क्रूर मजाक

MP में पेंशन की हालत

- बुजुर्ग, विधवाएँ, दिव्यांग अब भी ₹300–₹500 महीने की पेंशन पर ज़िंदा
- यह रकम 13–18 साल से नहीं बढ़ी, महँगाई कई गुना बढ़ी
- 40–79 साल विधवाओं को ₹300, 80+ को ₹500
- 1.47 करोड़ बुजुर्गों, 1.02 करोड़ विधवाओं, 8.5 लाख दिव्यांगों को नाममात्र की मदद

सम्पादकीय

क्यों जला नेपाल

पड़ोसी देश नेपाल जल रहा है। वहां युवाओं ने तख्ता पलट दिया है। कुछ हद तक श्रीलंका और बांग्लादेश की तरह। इस समय वहां के प्रधानमंत्री ओली भाग गए हैं और सेना के हाथ में कमान है। सैकड़ों वर्षों से हिंदू राष्ट्र के रूप में स्थापित यह देश जब कम्युनिस्टों के हाथ आया तो इसे सेक्युलर का दर्जा दे दिया गया। कम्युनिस्टों ने सत्तर के दशक से ही यहां की राजनीति में दस्तक देना शुरू कर दिया था। महाराजा बीरेंद्र वीर विक्रम शाह देव ने 1972 से 2001 तक यानी मृत्यु तक यहां शासन किया था। उस साल उनके पूरे परिवार की हत्या कर दी गई थी और आरोप लगा था उनके बड़े बेटे दीपेंद्र पर, जबकि सच्चाई उससे कोसों दूर थी। उनके निधन के बाद उनके छोटे भाई ज्ञानेंद्र को महाराजा बनाया गया, लेकिन वह बहुत अलोकप्रिय हो गए और माओवादियों के नेतृत्व में जनता ने विद्रोह कर दिया। नेपाल राजशाही राज्य से एक लोकतांत्रिक राष्ट्र बन गया। सत्ता कम्युनिस्टों के हाथ में चली गई। भारत–चीन के संबंधों में आम तौर पर तटस्थ रहने वाला यह देश चीन का पिछलग्गू बनने लगा। कम्युनिस्ट पार्टी के शीर्ष नेता प्रचंड और केपी शर्मा ओली दोनों चीन की लाइन पर चलते थे। प्रधानमंत्री ओली की चीन परस्ती और कार्यशैली से सभी निराश होने लगे थे। उनका व्यवहार एक डिक्टेटर की तरह होने लगा था। उनके पास नेपाल की समस्याओं के हल का कोई फॉर्मूला नहीं था। वह बात–बात में चीन पहुंच जाते थे और वहां से निर्देश लेते थे।

चीन के इशारे पर ही उन्होंने भारत से झगड़ा मोल लिया और लिपूलेख, कालापानी तथा लिम्पियाधुरा को नेपाल का घोषित कर दिया। इतना ही नहीं, ओली ने तो इन्हें अपने झंडे में स्थान भी दिया। इससे दोनों देशों के संबंधों में खटास आ गई। धीरे–धीरे कम्युनिस्टों की लोकप्रियता कम होती चली गई। इसके साथ ही वहां राजनीतिक अस्थिरता बढ़ने लगी। इस दौरान 13 बार प्रधानमंत्री बदले गए। तीन नेता देउबा, प्रचंड और ओली बारी–बारी से प्रधानमंत्री बनते रहे। राजनीतिक उठापटक जारी रही और देश आर्थिक रूप से कमजोर तथा गरीब हो गया जहां रोजगार के रास्ते लगभग बंद हो गए। हिमालय की गोद में होने के कारण यह पर्यटन का बड़ा केन्द्र है, लेकिन माओवादियों द्वारा बड़े पैमाने पर खून–खराबा करने से यहां विदेशियों का आगमन घटता गया जिससे वहां रोजगार पर असर पड़ा। लोगों में निराशा और हताशा बढ़ने लगी। बड़े पैमाने पर युवा वर्ग बेरोजगारी का दंश झेलने लगा क्योंकि सरकारी नौकरियां नहीं के बराबर थीं। कुछ भारतीय उद्योगपतियों ने सीमावर्ती इलाकों में अपने संयंत्र स्थापित कर रखे थे जिनमें कम्युनिस्ट आंदोलन करवाते रहते थे। चीन जो नेपाल का सबसे बड़ा पथ प्रदर्शक बना, उसने सिर्फ सत्ता में दखल दी और रोजगार के लिए कुछ नहीं किया। उसने नेपाल में अपने उत्पादों का ज्यादा से ज्यादा निर्यात करने के अलावा कुछ नहीं किया। चीन से बड़े पैमाने पर निर्यात के कारण नेपाल के लघु उद्योग बैठ गए। उधर चीन विशालकाय योजानाओं के प्रस्ताव देता रहा जिससे नेपाल आर्थिक रूप से उसके चंगुल में आ जाए। ऐसी परिस्थितियों में वहां अब हिंसक आंदोलन हो रहा है। भारत के लिए यह तख्तापलट चिंता की बात है।

राहुल गांधी के नाम खुला खत

आप खुद इस बात पर विचार करिए कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने में आपकी विराट भूमिका राहुल गांधी द यूट्यूबर की भूमिका में पेश करने वाले लोग क्या एक अलग किस्म का खेल कर रहे हैं। आप खुद इस बात पर विचार करिए कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने में आपकी विराट भूमिका राहुल गांधी द यूट्यूबर की भूमिका में पेश करने वाले लोग क्या एक अलग किस्म का खेल कर रहे हैं। बेशक जनप्रतिनिधि को जनता के असली हाल मालूम होना चाहिए। लेकिन इस बात की गारंटी कौन लेगा कि जिन लोगों के साथ आपकी चर्चाएं करवाई जाती हैं, वे सारी बातें सच ही कहते हैं। क्या ऐसा नहीं हो सकता कि ये बातें स्क्रिप्टेड हों और आपके सामने इसे अलग तरह से पेश किया जा रहा हो।

यह देखकर अच्छा लगा कि आप एक बार फिर अपने संसदीय क्षेत्र पहुंच गए हैं। सांसद यदि अपने निर्वाचन क्षेत्र में जितना अधिक वक्त बिताएंगे, उतने करीब से लोगों की समस्याओं और उम्मीदों को समझ पाएंगे। आप पांचवीं बार सांसद बने हैं, इसलिए बेहतर समझते हैं कि किसी उम्मीदवार को जब लाखों लोग वोट देकर संसद तक पहुंचाते हैं, तो वो महज वोट नहीं होते, उन लाखों लोगों के लिए बेहतर भविष्य की बंद पोटली होती है, जिसे खोलना या बंद रखना सांसद पर निर्भर करता है। और राहुल आप इस बार केवल सांसद नहीं हैं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष भी हैं। आपने इस बार की लोकसभा में खुलकर कहा है कि विपक्ष जनता की आवाज़ उठाएगा। कहने की जरूरत नहीं कि इस काम को आप बखूबी कर रहे हैं। संसद में आपके तमाम भाषण जनआकांक्षाओं का ही दर्पण दिखा रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष बनने से पहले आपने दो बार में पूरा भारत नाप लिया। उसके अलावा भी आपकी यात्राएं चलती रहती हैं। अभी बिहार में आपकी वोटर अधिकार यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इन यात्राओं में अलग–अलग तबकों के लोगों से आपकी अलग मुलाकात कराई जाती है। उनसे बातचीत के वीडियो आप के यू ट्यूब चैनल पर आते हैं। आठ–दस लोग बैठे हैं, आपको कभी राहुल, कभी भैया, कभी सर का संबोधन देकर खुलकर बात कर रहे हैं।

बता रहे हैं कि मौजूदा राजनीति में कौन सी कमियां उन्हें खटक रही हैं, सरकार की नीतियां किस तरह उद्योगपतियों का पोषण कर रही हैं और गरीबों के हक मार रही हैं। वीडियो बनाने के बाद आपके साथ फोटो खिंचवाई जाती है, जिसे लोग अपने–अपने सोशल मीडिया एकाऊंट पर पोस्ट कर यह दिखाने की कोशिश करते हैं कि राहुल गांधी से वे कितना नजदीक हैं। अभी 7 सितंबर को ही भारत जोड़ो यात्रा की तीसरी सालगिरह पर कई लोगों ने आपके साथ चलते हुए बात करने की अपनी–अपनी तस्वीरें लगवाईं, कुछ लाइक्स और कमेंट हासिल किए। इन सबसे अपनी जान–पहचान के लोगों में तो उनका ओहदा या रुतबा थोड़ा और बढ़ गया, लेकिन बदले में कांग्रेस को क्या हासिल हुआ, क्या इसका विश्लेषण आपकी टीम ने कभी किया है। दर्जनों वीडियो राहुल गांधी यूट्यूब चैनल पर आ चुके हैं, मगर इनसे क्या कांग्रेस के सत्ता में आने के मौके मजबूत हुए हैं, इसकी पड़ताल भी होनी चाहिए।

आप खुद इस बात पर विचार करिए कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने में आपकी विराट भूमिका राहुल गांधी द यूट्यूबर की भूमिका में पेश करने वाले लोग क्या एक अलग किस्म का खेल कर रहे हैं। बेशक जनप्रतिनिधि को जनता के असली हाल मालूम होना चाहिए। लेकिन इस बात की गारंटी कौन लेगा कि जिन लोगों के साथ आपकी चर्चाएं करवाई जाती हैं, वे सारी बातें सच ही कहते हैं। क्या ऐसा नहीं हो सकता कि ये बातें स्क्रिप्टेड हों और आपके सामने इसे अलग तरह से पेश किया जा रहा हो। और मान लें, जो कुछ बातें आप के सामने आती हैं, वे सच हों, तब भी केवल शिकायत सुनने या करने से हासिल क्या होगा। बदलाव तो तभी होगा, जब कांग्रेस या आज का इंडिया गठबंधन सत्ता में आए। इसके लिए आपकी टीम क्या काम कर रही है, ये भी आप ही को देखना होगा। वोट चोरी का मसला हो, चुनाव में धांधली या किसी अन्य किस्म की अनियमितता, राहुल आप अक्सर ये कहते हैं कि हम जब सत्ता में आएंगे तो किसी को छोड़ेंगे नहीं। तो सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि राहुल आप या आपके साथी सत्ता में कब और कैसे आएंगे। इसके लिए कौन सी तैयारी आप कर रहे हैं। तेलंगाना में आपकी जीत हुई, क्योंकि वहां रेवंत रेड्डी ने जमीनी स्तर पर काम किया। कर्नाटक में भी डी के शिवकुमार और सिद्धारमैया की मजबूत पकड़ के कारण ऐसा संभव हुआ। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनी हुई है, लेकिन वहां के अंतर्विरोध किसी से छिपे नहीं हैं। राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, गोवा, सब कांग्रेस ने अपनी कमजोरियों से गंवाए। फिर भी अब तक घर के भेदियों पर कोई एक्शन नहीं लिया गया।

अभी मंगलवार 9 सितंबर को सीपी राधाकृष्णन भारत के अगले उप–राष्ट्रपति चुन लिए गए। इसके साथ ही अब देश में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री समेत कई अहम पदों पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े लोग काबिज हो चुके हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संघ से निर्देशित संगठन राष्ट्रसेविका समिति से जुड़ी रही हैं। नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह,ओम बिड़ला, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, धर्मेन्द्र प्रधान, मनोहर लाल खट्टर केबिनेट के सारे सदस्य संघ की पृष्ठभूमि से हैं। विष्णुदेव साय, मोहन चरण मांझी, भजन लाल शर्मा, पुष्कर धामी ये सारे मुख्यमंत्री संघ से जुड़े रहे हैं। राज्यपालों में भी ओम माथुर, राजेन्द्र अर्लेकर, शिवप्रताप शुक्ल इनका जुड़ाव संघ से रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का यह शताब्दी वर्ष है, एक वफादार संघ कार्यकर्ता होने के नाते नरेन्द्र मोदी इससे बेहतर तोहफा और क्या दे सकते थे। बस अब यही कसर बाकी रह गई है कि संविधान खत्म हो और भारत पूरी तरह हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाए। जिस संगठन ने खुद को कभी राजनैतिक संगठन न कहकर हमेशा सांस्कृतिक संगठन कहा, उसके हाथ में देश की पूरी कमान हो, शासन–प्रशासन पर उसी का पूरा नियंत्रण हो, ऐसी मिसाल दुनिया में और कहीं नहीं मिलेगी। हिटलरकालीन जर्मनी में भी सत्ता और प्रशासन पर नाजीवादी लोग बिठा दिए गए थे, लेकिन हिटलर ने कभी अपनी राजनैतिक महत्वाकांक्षाओं को नहीं छिपाया, न ही फासिस्ट ताकतों ने खुद को जर्मनी की सियासत से अलग किया।

संविधान की ताकत का नया अहसास

नेपाल में सोमवार से शुरु हुए युवाओं के आंदोलन से सत्ता तो उखड़ ही गई है, समूची व्यवस्था भी तहस–नहस हो चुकी है। सेना ने कमान संभाल कर कर्फ्यू लगाया है, काठमांडू की सड़कों पर एक अजीब सा सन्नाटा कायम हुआ है, लेकिन इस सन्नाटे के उस पार क्या होगा, यह केवल उन्हीं लोगों को पता होगा, जिनकी शह पर पूरा आंदोलन खड़ा हुआ है। फिलहाल प्रधानमंत्री और कम से कम 10 मंत्रियों के इस्तीफे तो हो ही चुके हैं, कुछ गिने–चुने प्रतिनिधि बचे हैं, जिन पर इस्तीफे का दबाव है। सरकार के अलावा मीडिया, कारोबार इन सब पर भी आंदोलनकारियों ने अपना गुस्सा जाहिर किया। मंगलवार को संसद भवन, राष्ट्रपति का घर, प्रधानमंत्री का घर समेत कई सरकारी संस्थानों पर आंदोलनकारियों ने आग लगा दी। पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को भीड़ ने पीटा, पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनाल के घर में आग लगा दी। इसमें उनकी पत्नी राजलक्ष्मी चित्रकार की मौत हो गई। नेपाल के सबसे बड़े मीडिया संस्थान कांतिपुर के दफ्तर को जलाया, हिल्टन होटल को जला दिया, जेल तोड़ी, जिसमें कई कैदी भाग गए। कई दुकानों में तोड़–फोड़ की और फ्रिज, एसी जैसे कीमती सामानों की लूट हुई। इतने उपद्रव के बाद सेना ने अपने हाथ में कमान ली है, तो फिलहाल तोड़–फोड़, लूटमार रुकी है। लेकिन आंदोलन अब भी खत्म नहीं हुआ है। क्योंकि प्रदर्शनकारी संविधान बदलने और नयी सरकार के गठन की मांग कर रहे हैं। नेपाल बिल्कुल पड़ोस में है, तो वहां के हालात देश पर असर डालेंगे, ऐसी आशंका बनी हुई है। सोशल मीडिया पर हमेशा की तरह किसी भी घटना पर त्वरित फैसले सुनाने वाले अंदाज में लोग टिप्पणियां कर रहे हैं। अपने–अपने राजनैतिक रुझान के मुताबिक कोई चेतावनी दे रहा है कि सरकार समझ जाए कि आम आदमी का गुस्सा जब फूटता है, तो कैसे उसके सब्र का बांध टूटता है, कोई सरकार की तारीफ कर रहा है कि हमारे पड़ोसी देशों में इतना कुछ हो रहा है, लेकिन हमारे यहां हालात संभले हुए हैं। बात सही है कि भारत में हज़ार तरह की तकलीफें और सौ तरह की नाराजगियों के बावजूद ऐसी अराजकता के हालात नहीं बने हैं। लेकिन 2011–12 के दौर को याद करें, जब तत्कालीन सरकार के खिलाफ ऐसी ही नाराजगी की चिंगारी को भड़काने की पूरी कोशिशें हुई थीं। इंडिया अंगेस्ट करप्शन के बैनर तले लोकपाल की मांग पर जो अन्ना आंदोलन खड़ा हुआ था, वह देश को अराजकता की तरफ ही उकसा रहा था। कभी रामदेव, कभी रविशंकर, कभी जग्गी वासुदेव जैसे आध्यात्म का कारोबार करने वाले लोग इस आंदोलन में अपने पूरक अध्याय जोड़ रहे थे। राष्ट्रपति भवन के सामने प्रदर्शन, इंडिया गेट पर प्रदर्शन, रामलीला मैदान में जलसे की तरह चलाया जा रहा आंदोलन सब सरकार को उकसा रहे थे कि वह कोई सख्त कार्रवाई करे और फिर सारी व्यवस्था को हाथ में लेने का मौका आंदोलनकारियों को मिले। लेकिन तत्कालीन यूपीए सरकार ने संयम दिखाया। बार–बार अनशन पर बैठे लोगों के बीच आकर वार्ताओं के दौर चलाए, ताकि जनता को समझ आ सके, कि जो भी फैसला होगा संविधान के दायरे में रहकर होगा। जो बात संविधान सम्मत नहीं होगी, उसे नहीं माना जाएगा, फिर चाहे सत्ता ही क्यों न चली जाए। ऐसा ही हुआ भी। अन्ना हजारे के आंदोलन को मीडिया ने भरपूर कवरेज दिया, क्योंकि उसे भी सत्ता में परिवर्तन चाहिए था। किरण बेदी जैसे पूर्व पुलिस अधिकारी हाथ में तिरंगा लेकर अन्ना हजारे के मंच से ऐसे लहराते थे, मानो तिरंगे पर निर्वाचित सरकार का कोई हक है ही नहीं। बहरहाल, आंदोलन खत्म हुआ, इंडिया अंगेस्ट करप्शन कहां गया पता नहीं, लोकपाल का कानून बना, लेकिन भ्रष्टाचार खत्म नहीं हुआ, अन्ना हजारे अपने गांव पहुंच गए और अरविंद केजरीवाल सत्ता में आ गए।

ब्रिक्स वर्चुअल बैठक और संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित न करना अशुभ संकेत

संयुक्त राष्ट्र महासभा के संबंध में, संयुक्त राष्ट्र सत्र 23 सितंबर से शुरू होगा और 30 सितंबर तक चलेगा। भारतीय प्रधानमंत्री को 26 सितंबर को संबोधित करने का समय दिया गया था। उसी दिन, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश को महासभा को संबोधित करने के लिए समय दिया गया है। ऐसे नाजुक दौर में, संयुक्त राष्ट्र मंच का इस्तेमाल सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष देश और दुनिया के सामने मौजूद प्रमुख मुद्दों पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए करते हैं। भारतीय भोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 सितंबर को जारी एससीओ घोषणापत्र और इस साल 6 जुलाई के ब्रिक्स वक्तव्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से पीछे हटकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत–अमेरिका संबंधों में पारस्परिकता बहाल करने का कोई संकेत दे रहे हैं? यह सवाल बेहद प्रासंगिक है क्योंकि भारतीय प्रधानमंत्री ने 8 सितंबर को आयोजित वर्चुअल ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल न होने और इस महीने के अंत में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भी शामिल न होने का फ़ैसला किया। ख़ासकर वैश्विक दक्षिण के देशों द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा एकतरफ़ा टैरिफ़ लगाए जाने के ख़िलाफ़ साझा रुख़ अपनाने के मौजूदा संदर्भ में ये दोनों घटनाएं बेहद महत्वपूर्ण हैं। ब्रिक्स के दो प्रमुख सदस्य – भारत और ब्राज़ील, अमेरिका को अपने–अपने निर्यात पर 50 प्रतिशत की दर से ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ से सबसे ज़्यादा प्रभावित हुए हैं। 2025 के लिए ब्रिक्स के अध्यक्ष ब्राज़ील के राष्ट्रपति ने ब्रिक्स घोषणापत्र के अनुवर्ती के रूप में 8 सितंबर को यह बैठक बुलाई थी, जिस पर भारतीय प्रधानमंत्री और अन्य सभी ब्रिक्स सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। इस वर्चुअल बैठक में भारत और इथियोपिया को छोड़कर सभी राष्ट्राध्यक्षों ने भाग लिया। चीन के राष्ट्रपति शीजिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कार्ययोजना सुझाने में अहम भूमिका निभाई। भारत का प्रतिनिधित्व हमारे विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने किया, जिन पर अन्य राष्ट्राध्यक्षों के भाग लेने के दौरान किसी ने ध्यान नहीं दिया। डॉ. जयशंकर ने हमेशा की तरह वैश्विक चुनौतियों पर एक अकादमिक व्याख्यान दिया, जिसमें अमेरिकी निर्णय के विरुद्ध संयुक्त कार्रवाई की आवश्यकता पर शायद ही कोई बात की गई। उन्होंने केवल व्यापार उपायों को गैर–व्यापार बाधाओं से जोड़ने पर चिंता व्यक्त की। इस व्याख्यान में अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति के हालिया कदमों पर प्रहार किया गया, लेकिन यह वैश्विक व्यापार मुद्दों पर व्याख्यान के शब्दाडंबर में डूब गया, और तत्काल उठाए जाने वाले कदमों का उल्लेख नहीं किया गया। भारतीय भोजन पक्ष जयशंकर ने कहा, 'व्यापार पैटर्न और बाज़ार पहुंच आज वैश्विक आर्थिक विमर्श में प्रमुख मुद्दे हैं। दुनिया को टिकाऊ व्यापार को बढ़ावा देने के लिए रचनात्मक और सहयोगात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। बढ़ती बाधाएं और लेन–देन को जटिल बनाने से कोई फ़ायदा नहीं होगा।

सीएम योगी ने अपने गुरु को दी श्रद्धांजलि

बोले– 'कर्ता के प्रति कृतज्ञता का भाव सनातन का पहला संस्कार'

:गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ का स्मरण करते हुए कहा कि महंतद्वय समाज, राष्ट्र और लोक जीवन से जुड़े हर मुद्दे पर सनातन धर्म और भारत के हितों के प्रति प्रतिबद्ध रहे।

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कर्ता के प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट करना सनातन धर्म का पहला संस्कार है। भारतीय मनीषा के ज्ञान दर्शन में इस बात को प्रतिष्ठित किया गया है कि जीवन में हमारे, समाज और राष्ट्र के प्रति जिस किसी ने योगदान दिया हो उसके प्रति कृतज्ञता का भाव होना ही चाहिए।

सीएम योगी युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 56वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की11वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतिम दिन गुरुवार (आश्विन कृष्ण चतुर्थी) को महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने रामायणकाल में हनुमानजी और मैनाक पर्वत के बीच हुए संवाद के मुख्य उद्धरण 'कृते च कर्तव्यम एषः धर्म सनातनः' को समझाते हुए कहा कि यह भाव सनातन से ही मिलता है। सनातन की परंपरा में पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता का भाव व्यक्त करने के लिए आश्विन माह का पूरा कृष्ण पक्ष ही समर्पित किया गया है। गोरक्षपीठ में ब्रह्मलीन पूज्य महंतद्वय की पुण्य स्मृति में साप्ताहिक आयोजन भी कृतज्ञता ज्ञापन का ही आयाम है।

सनातन और भारत के हित में हर मुद्दे पर आजीवन प्रतिबद्ध रहे गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय : सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ का स्मरण करते हुए कहा कि महंतद्वय समाज, राष्ट्र और लोक जीवन से जुड़े हर मुद्दे पर सनातन धर्म और भारत के हितों के प्रति प्रतिबद्ध रहे।

महंत दिग्विजयनाथ जी ने सनातन धर्म, शिक्षा, सेवा और राष्ट्रीयता के जिन मूल्यों और आदर्शों को स्थापित किया, उन्हें महंत अवेद्यनाथ जी ने आत्मसात कर आगे बढ़ाया।

इन मूल्यों और आदर्शों के लिए, देश और धर्म के लिए महंतद्वय आजीवन समर्पित रहे। दोनों ने सदैव देश और धर्म को प्राथमिकता दी। गोरक्षपीठ आज भी उनके बताए मार्ग का अनुसरण कर रहा है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सशक्त राष्ट्र की बुनियाद मानते थे महंतद्वय

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सभ्य समाज और

सशक्त राष्ट्र की आधारशिला माना। महंत दिग्विजयनाथ जी ने इसी ध्येय से देश की गुलामी के कालखंड में ही 1932 में महाराणा प्रताप जैसे वीर योद्धा के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी।

1932 में पहली संस्था खुली और फिर यह श्रृंखला बढ़ती गई। गोरखपुर में जब पहले विश्वविद्यालय की स्थापना की बात आई तो उन्होंने महाराणा प्रताप महाविद्यालय और महाराणा प्रताप महिला विद्यालय दान में देकर विश्वविद्यालय की स्थापना का शुभारंभ कराया। यह कार्य श्रेय के लिए नहीं था।

उन्होंने महिला शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, आयुष शिक्षा सहित शिक्षा के हरेक क्षेत्र को आगे बढ़ाया। उनके बाद महंत अवेद्यनाथ जी ने भी इस सिलसिले को जारी रखा।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर बनाने में महंतद्वय का अविस्मरणीय योगदान

सीएम योगी ने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण में गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय के अविस्मरणीय योगदान का भी उल्लेख किया। कहा कि श्रीराम मंदिर निर्माण के यज्ञ का शुभारंभ महंत दिग्विजयनाथ जी ने किया था। उनके बाद 1983 से लेकर जीवन पर्यंत महंत अवेद्यनाथ मंदिर निर्माण के लिए संघर्षरत रहे।

सामाजिक समरसता को आजीवन बढ़ाते रहे महंत अवेद्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी समाज को तोड़ने वाली ताकतों से चिंतित रहे। उन्होंने अश्पृश्यता के खिलाफ आवाज उठाई और आजीवन सामाजिक समरसता को बढ़ाते रहे।

भगवान राम ने 'बांसी नदी' में किया था स्नान

गोरखपुर,संवाददाता। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि भगवान श्रीराम से जुड़ी बांसी और महात्मा बुद्ध से जुड़ी हिरण्यवती जिले की धार्मिक नदियां हैं। इनके संरक्षण के लिए एक जिला एक नदी योजना में चयन किया गया है। इन दोनों नदियों में वर्ष भर जलप्रवाह बना रहे इसके लिए हर संभव उपाय किए जाएंगे। सबसे पहले इसमें मौजूद जलकुंभी और सिल्ट आदि की साफ–सफाई कराई जाएगी। इसके लिए टॉस्क फोर्स का गठन कर दिया गया है। जिले की दो महत्वपूर्ण नदियों बांसी और हिरण्यावती के दिन बहुरने वाले हैं। इन दोनों नदियों को एक जिला एक नदी के रूप में चयनित किया गया है। इन दोनों नदियों के जीर्णोद्धार कराने के लिए उनके उद्गम स्थल से समागम स्थल तक साफ–सफाई की जाएगी।

उसमें निरंतर जलप्रवाह बना रहे इसके लिए दूसरी नदी या नहरों को इससे जोड़ा जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन टॉस्क फोर्स का गठन कर अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपा चुका है। बांसी नदी छितौनी बुलहवा से गंडक से निकलकर नकहवा, चिनबरदहा, पडरही, त्रिलोकपुर, बांसी के रास्ते बिहार में प्रवेश कर जाती है।

इस तरह 114 किलोमीटर की दूरी तय कर यह नदी पुनः यूपी के सेवरही ब्लॉक स्थित पिपरा घाट के पास गंडक नदी में विलीन हो जाती है। यह नदी अपने उद्गम स्थल से 84 किलोमीटर तक सिल्ट और जलकुंभी से पटी पड़ी है। शेष हिस्सा साफ है, जहां निरंतर जलप्रवाह बना रहता है।

इस नदी के शून्य से 60 किलोमीटर तक सिंचाई खंड द्वितीय और 60 किलोमीटर से 114 किलोमीटर तक का हिस्सा बाढ़ खंड की देखरेख में है। एक जिला एक नदी योजना के तहत इस नदी के चयन होने के बाद नदी की साफ–सफाई समेत इसमें निरंतर जलप्रवाह बन रहे इसके लिए योजना बनाई जा रही है।

किन–किन नदी, नहर और बरसाती नाले

का पानी बांसी नदी में पानी लाने की व्यवस्था कराने और प्रथम चरण में बांसी में गिरे झरही नाला से कटाई भरपुरवा तक सफाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी तरह हिरण्यवती नदी का उद्गम स्थल रामकोला ब्लॉक के सपहा गांव का ताल माना जाता है। यहां से सिधावे, बसडीला, मोती पाकड़, कठघरही, परवरपार, अहिरौली कुसुम्ही से होते कुशीनगर तक पहुंचती है। कुशीनगर से आगे बढ़ने पर कुड़वा दिलीपनगर गांव में घाघी नदी से मिलती है। घाघी नदी आगे छोटी गंडक में जाकर मिलती है। तथागत बुद्ध का महापरिनिर्वाण हिरण्यवती नदी के तट पर हुआ था, जहां अब रामाभार स्तूप है। नदी की लंबाई करीब 49.370 किलोमीटर है।

भगवान राम ने बांसी नदी में किया था स्नान

बांसी नदी का इतिहास अति प्राचीन है। त्रेतायुग में इस पौराणिक पवित्र नदी का उद्भव छितौनी के पास बुलहवा से हुआ था। जनकपुर से लौटते समय भगवान श्रीराम, माता सीता के साथ अयोध्या जाते समय वे बरातियों के साथ रामघाट के पास रात्रि विश्राम किए थे। अगले दिन सुबह नदी में स्नान भी किया था। भगवान राम ने स्नान के बाद रामघाट पर शिवलिंग स्थापित कर पूजा भी की थी।

आज भी रामघाट पर शिव का मंदिर है। अब मंदिर का निर्माण करवा दिया गया है। भगवान राम की आस्था से जुड़े रामघाट पर मंदिर भी है।

रामघाट के महंत गोपाल जी दास ने बताया कि यह मंदिर सदियों पुराना है। वर्ष 2008 में मंदिर का निर्माण और सुंदरीकरण कार्य करवाया गया। मंदिर में भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत और हनुमान जी की प्रतिमा है।

उन्होंने बताया कि रामघाट नदी में सदियों पहले खाकी दास महाराज सोने की नाव से आते जाते थे। उनके तरफ से ही भगवान राम और सीता सहित पूरा रामदरबार की स्थापना की गई है। भगवान श्रीराम से जुड़ी बांसी और महात्मा बुद्ध से जुड़ी हिरण्यवती जिले की धार्मिक नदियां हैं। इनके संरक्षण के लिए एक जिला एक नदी योजना में चयन किया गया है।

इन दोनों नदियों में वर्ष भर जलप्रवाह बना रहे इसके लिए हर संभव उपाय किए जाएंगे। सबसे पहले इसमें मौजूद जलकुंभी और सिल्ट आदि की साफ–सफाई कराई जाएगी। इसके लिए टॉस्क फोर्स का गठन कर दिया गया है। इन नदियों में निरंतर जलप्रवाह बना रहे इसके लिए उपलब्ध संभावनाओं की तलाश की जा रही है। शीघ्र ही सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे:

महेंद्र सिंह तंवर, डीएम, कुशीनगर

हेल्थ इंश्योरेंस क्लेमः डिसेंट हास्पिटल में फर्जी मरीजों के नाम पर करोड़ों की ठगी–ये अस्पताल भी 'संदिग्ध'

गोरखपुर,संवाददाता। आरोप है कि संचालकों ने हॉस्पिटल में मरीजों की फर्जी कागजात तैयार करके इंश्योरेंस की रकम का भुगतान करा लिया। इसके बाद उस रकम का आपस में बंदरबांट कर लिया। अब तक की जांच में गोरखपुर और बस्ती में स्थित डिसेंट हॉस्पिटल में इंश्योरेंस कंपनी से 15 मरीजों के लगभग सवा करोड़ के भुगतान का पर्दाफाश हुआ है।

रामगढ़ताल थाना पुलिस ने हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम में धोखाधड़ी के बड़े खेल का पर्दाफाश किया। आरोप है कि तारामंडल स्थित डिसेंट हॉस्पिटल में फर्जी मरीजों के नाम पर हेल्थ इंश्योरेंस की 1.20 करोड़ की ठगी कर ली गई। इस मामले में पुलिस ने अस्पताल संचालक समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान रामगढ़ताल क्षेत्र के गेहुंआसागर निवासी अस्पताल संचालक शमशुल कमर और उसके पार्टनर कोतवाली के मेवातीपुर निवासी प्रवीण त्रिपाठी उर्फ विकास मणि त्रिपाठी के रूप में हुई। कई और अस्पताल भी पुलिस के रडार पर हैं। आरोप है कि संचालकों ने हॉस्पिटल में मरीजों की फर्जी कागजात तैयार करके इंश्योरेंस की रकम का भुगतान करा लिया। इसके बाद उस रकम का आपस में बंदरबांट कर लिया। अब तक की जांच में गोरखपुर और बस्ती में स्थित डिसेंट हॉस्पिटल में इंश्योरेंस कंपनी से 15 मरीजों के लगभग सवा करोड़ के भुगतान का पर्दाफाश हुआ है।

केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी के स्वागत पोस्टर पर सीएम का फोटो नहीं होने से विवाद, दिनभर रही चर्चा

महाराजगंज,संवाददाता। चौक बाजार में आयोजित जीएसटी रिफॉर्म कार्यक्रम के बैनरों और होर्डिंग्स से भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का फोटो गायब रहने पर विवाद हो गया। बजरंग दल के जिला अध्यक्ष विशाल पुष्कर ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा, 'यह कोई साधारण भूल नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री के खिलाफ साजिश है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के स्वागत को लेकर जगह–जगह लगाए गए पोस्टर बृहस्पतिवार को विवाद का कारण बन गए। कतरारी सीमा से लेकर परतावल चौराहे तक लगे पोस्टरों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का फोटो नहीं होना कुछ लोगों को नागवार गुजरा। उन्होंने सोशल मीडिया पर विरोध शुरू कर दिया। इसके खिलाफ लिखना शुरू कर दिया। देखते ही देखते मामले ने तूल पकड़ लिया। बाद में केंद्रीय मंत्री के कार्यक्रम स्थल के पास के पोस्टर को हटाकर नया लगाया गया। उसमें सीएम योगी का फोटो था। सोशल मीडिया और परतावल में दिनभर पोस्टर ही चर्चा का विषय रहा। पोस्टर को लेकर योगी समर्थकों ने सोशल मीडिया पर कड़ा आक्रोश जताया। उन्होंने पोस्टर लगाने वालों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि पनियरा क्षेत्र से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गहरा संबंध रहा है। ऐसे में किसी भी कार्यक्रम या स्वागत पोस्टर में उनका फोटो न होना न केवल कार्यकर्ताओं का अपमान है, बल्कि संगठन की गरिमा के खिलाफ भी है। कुछ लोगों ने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री की तस्वीर हटाने के पीछे कौन

थे और उनकी मंशा क्या थी यह सामने आना चाहिए। कुछ लोगों ने लिखा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ न केवल प्रदेश के मुखिया हैं बल्कि महराजगंज और आसपास के क्षेत्रों के लोगों से उनकी भावनात्मक जुड़ाव भी है। ऐसे में उनका फोटो पोस्टरों से गायब होना कहीं न कहीं जानबूझकर उनकी अनदेखी करने की कोशिश है।

सोशल मीडिया पर विरोध बढ़ता देख आयोजकों में भी हड़कंप मच गया। जैसे ही मामले की जानकारी उन तक पहुंची, उन्होंने तुरंत स्थिति को संभालने का प्रयास किया। आनन–फानन में पोस्टर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का फोटो लगवाया गया। इसके बाद धीरे–धीरे विरोध कम हुआ। पूरे दिन यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। कुछ लोग इसे साधारण चूक मान रहे थे तो कुछ इसके पीछे राजनीति मान रहे थे।

उधर, चौक बाजार में आयोजित जीएसटी रिफॉर्म कार्यक्रम के बैनरों और होर्डिंग्स से भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का फोटो गायब रहने पर विवाद हो गया। बजरंग दल के जिला अध्यक्ष विशाल पुष्कर ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा, 'यह कोई साधारण भूल नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री के खिलाफ साजिश है।' उन्होंने कहा कि सीएम योगी की वजह से ही प्रदेश विकास की राह पर है और ऐसे में उनका फोटो हटाना भाजपा सरकार को कमजोर करने की चाल है। इन पोस्टरों से पार्टी का कोई लेनादेना नहीं है। ये पोस्टर किसने लगवाए इसके बारे में पता लगाएंगे और जरूरी कार्रवाई की जाएगी। – संजय पांडेय, जिलाध्यक्ष भाजपा

भतीजे संग मिलकर पत्नी ने की पति की हत्या

भतीजे के प्यार में अंधी चाची: 'चाचा को हार्ट अटैक नहीं आया, मर्डर हुआ है', भतीजी ने देखा था दोनों को गला दबाते

बुलंदशहर,संवाददाता। चाचा की मौत के बाद से करन सिंह की 12 वर्षीय पुत्री गुमसुम रहने लगी। बुधवार को जब परिजनों ने उससे गुमसुम रहने का कारण पूछा तो उसने कहा कि ओमपाल चाचा की हत्या की गई है। बच्ची ने बताया कि घटना वाली रात वह भी ओमपाल चाचा के घर पर ही सोने के लिए गई थी। देर रात में जब उसकी आंख खुलीं तो देखा कि उसकी चाची प्रीति ने चाचा ओमपाल के हाथ पकड़े हुए थे और ताऊ के बेटे अभय (जो खुद ओमपाल का ही सगा भतीजा है) ने चाचा का चुन्नी से गला दबाकर हत्या कर दी थी। यूपी के बुलंदशहर स्थित बीबीनगर थाना क्षेत्र के गांव परतापुर में गत आठ सितंबर की रात को हुई ओमपाल की मौत ने तब नया मोड़ ले लिया, जब उनकी भतीजी ने दो दिन बाद बुधवार को परिजनों से कहा कि चाचा की हत्या चाची और ताऊ के बेटे ने मिलकर की है। जिसके बाद मृतक ओमपाल के भाई ने थाने पर मृतक की पत्नी व बड़े भाई के पुत्र के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने दोनों नामजद को जब हिरासत में लिया तो उन्होंने हत्या करने की बात कबूल कर ली है। पुलिस ने दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

घरवालों को लगा हार्ट अटैक आया

गांव परतापुर निवासी करन सिंह ने बताया कि उनका भाई 40 वर्षीय ओमपाल सिंह मजदूरी कर अपना व परिवार का पालन पोषण करता था। उनका भाई उनके पड़ोस में ही पत्नी और बच्चों के साथ रहता था। गत आठ सितंबर को ओमपाल अपने घर पर खाना खाकर सोया था, सुबह उनके न उठने पर देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों ने इसे स्वाभाविक व दिल का दौरा पड़ने से मौत होना समझकर अंतिम संस्कार कर दिया था। पुलिस को भी सूचना नहीं दी गई और शव का पोस्टमार्टम भी नहीं कराया गया।

चाची ने पकड़े हाथ, अभय ने चुन्नी से घोंटा गला

लेकिन, चाचा की मौत के बाद से करन सिंह की 12 वर्षीय पुत्री गुमसुम रहने लगी। बुधवार को जब परिजनों ने उससे गुमसुम रहने का कारण पूछा तो उसने कहा कि ओमपाल चाचा की हत्या की गई है। बच्ची ने बताया कि घटना वाली रात वह भी ओमपाल चाचा के घर पर ही सोने के लिए गई थी। देर रात में जब उसकी आंख खुलीं तो देखा कि उसकी चाची प्रीति ने चाचा ओमपाल के हाथ पकड़े हुए थे और ताऊ के बेटे अभय (जो खुद ओमपाल का ही सगा भतीजा है) ने चाचा का चुन्नी से गला दबाकर हत्या कर दी थी। दोनों को लगा था कि बच्ची सो रही है, लेकिन वह सब देख रही थी।

दो साल से चल रहा था प्रेम प्रसंग, ओमपाल बन रहा था बाधा

यह मामला सामने आते ही करन सिंह व परिजनों के होश उड़ गए। उन्होंने तत्काल थाना पुलिस को मामले की सूचना दी। जिस पर थाना पुलिस ने दोनों नामजद आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की और दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में दोनों ने बताया कि उनके बीच दो वर्ष से प्रेम प्रसंग चल रहा है। इसलिए वह दोनों अब साथ रहना चाहते थे। लेकिन, ओमपाल इसका विरोध करता था। इसी के चलते आठ सितंबर की रात को ओमपाल के सोते ही उन्होंने वारदात को अंजाम दे डाला। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में प्रयुक्त चुन्नी को बरामद किया है। साथ ही पूछताछ के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

गांव में चर्चा का विषय बनी मासूम की साहसिक गवाही

12 वर्षीय बच्ची की बहादुरी की चर्चा पूरे गांव में हो रही है। जहां एक तरफ लोग इस मासूम की समझदारी की सराहना कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रीति और अभय के रिश्ते और इस घिनौनी साजिश को लेकर रोष व्याप्त है।

आरोपियों को लगा सो रही थी बच्ची, लेकिन उसने देख लिया पूरा हत्याकांड

पुलिस ने बताया कि जब आरोपियों से पूछताछ की तो उन्हें लगा कि ओमपाल की दोनों बेटी और भतीजी तीनों सो रहे हैं। लेकिन, उन्हें इसका जरा भी एहसास नहीं था कि भतीजी ने पूरी वारदात को अंजाम देते हुए देख लिया है। यदि, बच्ची इस बात को अपने परिजनों को नहीं बताती तो संभव है कि कभी भी ओमपाल की हत्या का राज नहीं खुल पाता।

अक्सर चाचा के सो जाया करती थी बच्ची

मामले में बच्ची द्वारा अपने परिजनों को हत्या की जानकारी दी गई। वह आए दिन अपने चाचा ओमपाल के घर शाम को खेलते हुए सो जाया करती थी। उस दिन भी वह देर शाम होने पर खाना खाकर वहीं सो गई थी। पूछताछ में उसने बताया कि रात में उसने ओमपाल की हत्या करते हुए चाची व ताऊ के लड़के को देखा। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपियों से पूछताछ में भी प्रेम प्रसंग के चलते हत्या किए जाने की बात सामने आई है।

– प्रखर पांडेय, सीओ स्याना

बेटे की मौत आईसीयू में बेटी...

किसी को पहचान नहीं पा रही पत्नी, दर्दनाक हादसे ने उजाड़ दिया पूरा परिवार

आगरा,संवाददाता। आगरा के शाहगंज के सराय ख्वाजा में मकान का जर्जर छज्जा भरभराकर गिर गया। इससे घर के बाहर चारपाई पर बैठे पड़ोसी चालक आफताब, उसकी पत्नी, 2 साल की बेटी और 4 साल का बेटा मलबे में दब गए। हादसे में बच्चे की मौत हो गई। आगरा के थाना शाहगंज के सराय ख्वाजा में छज्जा गिरने से पीड़ित आफताब का परिवार संकट से जूझ रहा है। पत्नी और बेटी एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं। बेटी आतिफा आईसीयू में है। सराय ख्वाजा में आफताब का परिवार छज्जा गिरने से मलबे में दब गया था।आफताब, उनकी पत्नी फरहीन, बेटा रफत (4) और बेटी आतिफा (2) घायल हुए थे। रफत की मौत हो गई। आफताब को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। आफताब के भाई लाला ने बताया कि फरहीन को होश तो आ गया है लेकिन किसी को पहचान नहीं पा रही हैं। आतिफा आईसीयू में है। राजस्व विभाग की टीम घर पर आई थी। उसने परिवार को 4 लाख रुपये आर्थिक मदद देने की बात कही है।

रफत का शव पहुंचा घर

रफत का शव बृहस्पतिवार को पोस्टमार्टम के बाद शाम को घर लाया गया।

नेपाल में फंसे भारतीयों ने लगाई मदद गुहार

इस्लामनगर (बदायूं) ,संवाददाता। श्रद्धालुओं ने बताया कि वह लोग सात सितंबर को काठमांडू पहुंचे थे। अगले दिन आठ सितंबर से हिंसा शुरू हो गई। उपद्रव बढ़ने से उसी दिन होटल की बिजली काट दी गई और खाना बनाने वाला स्टाफ तक भाग गया। श्रद्धालुओं को एक दिन तो अपने स्तर पर खाने–पीने की व्यवस्था करनी पड़ी। नेपाल में जारी हिंसा और तख्तापलट के बीच काठमांडू स्थित मेरिडियन होटल में फंसे यूपी के बदायूं स्थित इस्लामनगर कस्बे व आसपास के 23 श्रद्धालुओं की शुक्रवार शाम चार बजे तक दो फ्लाइटों के जरिए दिल्ली वापसी होगी। ये सभी श्रद्धालु बीते सात सितंबर को नेपाल गए थे। जहां पशुपतिनाथ मंदिर, जनकपुरी तथा मुक्तिधाम के दर्शन करने थे। उपद्रव के कारण कई दिन होटल में भयभीत रहकर उन्होंने कठिन समय गुजारा। मगर अब भारत सरकार और नेपाल प्रशासन की मदद से उनकी सकुशल वापसी की व्यवस्था कर दी गई है। उधर, बिनावर व दातागंज के छह लोग के भी नेपाल में फंसे की जानकारी साामने आई है।

होटल से एयरपोर्ट तक लाएगी नेपाल सेना

बताया गया है कि 14 श्रद्धालु काठमांडू से सुबह 10:50 बजे की फ्लाइट से दिल्ली पहुंचेंगे। शेष नौ श्रद्धालु दोपहर दो बजे की फ्लाइट से दिल्ली आएंगे। इस दौरान नेपाल की सेना उन्हें होटल से एयरपोर्ट तक सुरक्षित ले जाएगी। परिजनों ने बताया कि वापसी के टिकट ढाई गुना महंगे दाम पर मिले हैं, क्योंकि हालात बिगड़े होने से एयरलाइंस ने किराया बढ़ा दिया है।

जेल का ताला तोड़ कैदियों को निकाला गया

वहीं, श्रद्धालुओं ने फोन कॉल पर परिजनों को बताया कि काठमांडू में

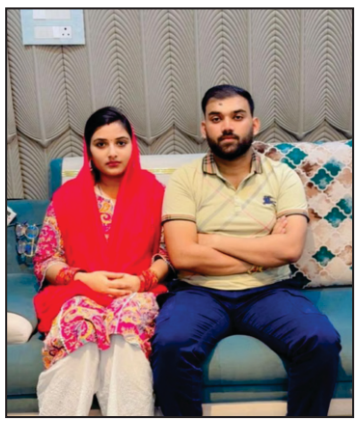

मेरिडियन होटल जिस इलाके में हैं, उसी के पास संसद भवन और कुछ राष्ट्राध्यक्षों के आवास भी हैं। समीप की एक बड़ी जेल से उपद्रवियों ने कैदियों को निकालने का प्रयास किया। जेल का ताला तोड़कर कैदियों को बाहर लाया गया और फिर पूरे इलाके में लूटपाट, तोड़फोड़ और आगजनी शुरू हो गई। आसपास की दुकानों, होटलों व व्यापारिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। वह लोग (श्रद्धालु) भयभीत होकर होटल में ही दुबके रहे। होटल स्टाफ ने उपद्रवियों को अंदर घुसने से रोकने का हरसंभव प्रयास किया। पास के एक अन्य होटल में आगजनी होते देख वह लोग भयभीत हो गए। सभी ने हाथ जोड़कर भगवान से प्रार्थना की कि वे सकुशल अपने घर लौट जाएं। उधर, नेपाल में अशांति के बीच जिले के बिनावर के चार और दातागंज के दो लोग फंसे हुए हैं। उनके परिजनों से लगातार संपर्क साधा जा रहा है और सुरक्षित वापसी के प्रयास किए जा रहे हैं। एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

होटल में डर और दहशत के बीच बीते दिन

श्रद्धालुओं ने बताया कि वह लोग सात सितंबर को काठमांडू पहुंचे थे। अगले दिन आठ सितंबर से हिंसा शुरू हो गई। उपद्रव बढ़ने से उसी दिन होटल की बिजली काट दी गई और खाना बनाने वाला स्टाफ तक भाग गया। श्रद्धालुओं को एक दिन तो अपने स्तर पर खाने–पीने की व्यवस्था करनी पड़ी। बाद में दूतावास की पहल पर दवाइयां और अन्य आवश्यक सामान पहुंचाया गया। धीरे–धीरे बिजली–पानी और भोजन की व्यवस्था बहाल की गई। कई श्रद्धालुओं ने कहा कि नेपाली नागरिकों और बड़े व्यापारियों ने भी आगे बढ़कर मदद की। श्रद्धालुओं के परिजनों ने अपने परिचितों के माध्यम से संपर्क साधा और जरूरी सामान उपलब्ध कराया गया। चार दिन डर और दहशत के बीच बीते।

प्रत्यक्षदर्शियों ने सुनाया भयावह अनुभव

नेपाल में फंसे श्रद्धालु संजय शंखधार ने बताया कि होटल के बाहर तांडव मचा था। उपद्रवी हर चीज लूट रहे थे, रोकने वालों के साथ मारपीट कर रहे थे। पुलिस भी मौके से भाग गई थी। बाद में सेना ने हालात संभाले। पेट्रोल पंप स्वामी वीरेंद्र बॉबी ने कहा कि एक पल को तो लगा अब सब खत्म हो जाएगा। मगर भगवान की कृपा से सभी सकुशल रहे। लेखपाल अरुण सक्सेना ने कहा कि श्रद्धालु डरे हुए थे, लेकिन होटल प्रबंधन ने भरोसा दिलाया कि उनकी मदद की जाएगी। श्रद्धालु संजय शंखधार के पुत्र मुदित शंखधार ने बताया कि सभी के टिकट करा दिए गए हैं और सेना श्रद्धालुओं को सुरक्षित एयरपोर्ट तक ले जाएगी।

प्रशासन और दूतावास की भूमिका

सूत्रों के अनुसार, जिलाधिकारी अवनीश राय ने नेपाल दूतावास से संपर्क किया तो श्रद्धालुओं की वापसी की प्रक्रिया तेज हुई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने डीजीपी कार्यालय तक बात पहुंचाई, जिसके बाद राहत सामग्री और दवाइयों की आपूर्ति की गई। भाजपा नेता जितेंद्र सक्सेना, पदाधिकारी अशोक भारती और डायरेक्टर हितेंद्र शंखधार ने जिलाधिकारी, एसएसपी और एडीएम से मुलाकात कर श्रद्धालुओं की सकुशल वापसी की जानकारी ली और लगातार संपर्क में बने रहे।

नेपाल की जेलों से फरार कैदियों पर सुरक्षा एजेंसियों की नजर

लापता हैं सात हजार कुख्यात कैदी

सिद्धार्थनगर,संवाददाता। बॉर्डर पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। एसएसबी और पुलिस टीम के अलावा पीएसी भी लगा दी गई है। साथ ही बॉर्डर की पल–पल की गतिविधियों की जानकारी ली जा रही है। नेपाल में भड़की हिंसा के बाद वहां की 14 जेलों से करीब सात हजार कुख्यात कैदी फरार हैं। बुधवार को भारत में घुसपैठ की कोशिश के दौरान सिद्धार्थनगर और महराजगंज सीमा से कुछ कैदियों के पकड़े जाने के बाद दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हैं। सीमावर्ती इलाके में जांच और निगरानी बढ़ा दी गई है। ढेबरुआ संवाद के मुताबिक बुधवार की देर शाम एसएसबी 50वीं वाहिनी के जवानों ने नेपाल से भारत में प्रवेश की कोशिश में एक संदिग्ध को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम सिकन्दर चौहान (23) निवासी झंडेनगर, कृष्णानगर (नेपाल) बताया। उसने बताया कि वह नशीली दवाओं की तस्करी के केस में नेपाल के तौलिहवा जिला जेल में तीन साल की सजा काट रहा था। बुधवार को ही वह जेल से फरार होकर घर गया और बीमार मां के लिए दवा खरीदने के लिए भारतीय सीमा में दाखिल हो रहा था। उसके पास से नेपाली नागरिकता का प्रमाण पत्र भी मिला। एसएसबी ने विधिक कार्रवाई करते हुए सिकंदर को नेपाल पुलिस के सुपुर्द कर दिया। नेपाल के तीन जिले रूपनदेही, कपिलवस्तु और दांग भारतीय सीमा से सटे हैं। रूपनदेही महराजगंज और सिद्धार्थनगर की सीमा से लगता है, कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर और बलरामपुर से तो दांग बलरामपुर, श्रावस्ती और बहराइच जनपद के बॉर्डर से सटा हुआ है। इन जिलों की जेलों से फरार कैदियों के भारतीय सीमा में घुसपैठ की आशंका है। कपिलवस्तु समेत नेपाल की विभिन्न जेलों से भागे 85 कैदी व बंदी पकड़े जा चुके हैं। इन में 72 कपिलवस्तु के और 13 अन्य जिलों की जेलों में बंद थे। बार्डर की फोर्स सुरक्षा एजेंसियों से समन्वय स्थापित कर रही है ताकि कैदी सीमा पार करने की कोशिश करते हैं तो पकड़ लिए जाएं।

बागपत में तीन हत्या और खुदकुशी

- पुलिस को शुरुआती जांच में मिलीं कई अहम जानकारियां
- कमरे में बेड पर बड़ी बेटी गुंजन और किट्टो का पड़ा था शव
- छोटी बेटी मीरा का शव चारपाई पर, मां फंदे पर लटकी थी

'अकेली मर जाती, बेटियों का क्या कसूर था' चार मौत होने के बाद विलाप करतीं महिलाएं बोलीं

बेटियां भाग न सकें... इसलिए दरवाजे में अंदर ताला लगाकर छिपाई चाबी, तीन बेटियों का कत्ल कर खुद ने भी दी जान

बागपत,संवाददाता। यूपी के बागपत जिले में एक महिला ने तीन मासूम बेटियों की हत्या के बाद खुद भी जान दे दी। पति घर के बाहरी हिस्से में सोया हुआ था। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। बागपत के दोघट के टीकरी कस्बे की पट्टी भोजान में तीन बेटियों की हत्या करने के बाद तेज कुमारी के आत्महत्या करने की घटना की जांच में मंगलवार देर रात तक पुलिस अधिकारी और फोरेंसिक टीमें लगी रहीं। कमरे में शव पड़े होने की स्थिति और शुरुआती जांच में पुलिस को कई अहम जानकारी मिली। कमरे में बेड पर बड़ी बेटी गुंजन और किट्टो का शव पड़ा था तो छोटी बेटी मीरा का शव पास में चारपाई पर पड़ा था। तेज कुमारी ने खुद बेड पर चढ़कर पंखे से चुनरी बांधकर फंदा बनाया और उसे फंदे से लटककर आत्महत्या की।

यूपी के इस गांव में खुलेआम चल रहा मतांतरण का खेल

मुकद्दमा करने वाले युवक को गिरोह दे रहा जान से मारने की धमकी

संवाददाता, गोंडा। पत्नी का मतांतरण कराकर निकाह किया। अब जान से मारने की धमकी दी जा रही है। एक गांव निवासी युवक ने गांव में चल रहे मतांतरण और आपराधिक गतिविधियों से परेशान होकर पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र दिया है। कहा कि अखड़ेरा गांव में आपराधिक प्रवृत्ति के लोग हिंदुओं पर दबाव बनाकर मतांतरण करवा रहे हैं। संगठित गिरोह की तरह कार्य करते हैं। इन पर पहले से ही हत्या के प्रयास, डकैती, गैंगरेप जैसे गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं, फिर भी ये खुलेआम घूम रहे हैं और नए अपराधों को अंजाम दे रहे हैं।

आरोप लगाया कि वर्ष 2016 में उसकी पत्नी का इन लोगों ने मतांतरण कराया और उसका कय्यूम नामक व्यक्ति से निकाह करवा दिया। उसका मकान भी कब्जा लिया गया और लूटपाट कर उसे गांव से भगा दिया गया। तब से अपने बच्चे के साथ कटरा बाजार के एक गांव में रह रहा है।

पीड़ित ने बताया कि हाल ही में जब वह अदालत में पेशी पर गया था, तो कचहरी और विकास भवन के पास आरोपितों ने उसे रोककर जान से मारने की धमकी दी। उसे कहा गया कि यदि उसने मुकदमा वापस नहीं लिया, तो उसकी बची हुई जमीन भी हड़प ली जाएगी और उसे भी जान से हाथ धोना पड़ेगा। किसी तरह वह अपनी जान बचाकर घर पहुंचा।

गोंडा में एक युवक ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी पत्नी का मतांतरण कराकर जबरन निकाह किया गया। उसने आरोप लगाया कि अखड़ेरा गांव में कुछ अपराधी हिंदुओं पर मतांतरण का दबाव बना रहे हैं। पीड़ित का कहना है कि 2016 में उसकी पत्नी का मतांतरण कराया गया और अब उसे जान से मारने की धमकी मिल रही है।

गांव में दहशत, लोग डर से नहीं बोलते

गांव के कुछ अन्य निवासियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि गांव में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा मतांतरण और जमीन कब्जाने जैसी घटनाएं हो रही हैं, लेकिन डर के कारण कोई भी खुलकर बोलने को तैयार नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिन लोगों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, वे खुलेआम घूम रहे हैं। पुलिस की निष्क्रियता से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। कोतवाल तेज प्रताप सिंह ने बताया कि प्रकरण की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने फांसी लगाकर दी जान

फंदे से लटकता मिला शव आजमगढ़ में थे तैनात

प्रतापगढ़,संवाददाता । तैनात जिला समाज कल्याण अधिकारी ने फांसी लगाकर जान दे दी। उनका शव कमरे में फंदे से लटकता मिला है। उनकी पत्नी सुल्तानपुर जिले में अपने मायके में हैं। दोनों के बीच फोन पर विवाद की बात सामने आ रही है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

नगर कोतवाली क्षेत्र के पूरे केशवराय गांव में जिला समाज कल्याण अधिकारी आशीष सिंह (40) ने फांसी लगाकर जान दे दी। वह प्रतापगढ़ जिले में तैनात थे। घटना के बाद परिवार में कोहाम मच गया है। घटना के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल स का है। पत्नी फिलहाल सुल्तानपुर जिले में अपने मायके में हैं। फोन पर विवाद की बात सामने आ रही है। गत शनिवार को आशीष सिंह आजमगढ़ से प्रतापगढ़ आए थे।

आजमगढ़ जाने की तैयारी थी। ग्राम प्रधान शिवाजीत सिंह ने बताया कि गांव के राम बहादुर सिंह के पुत्र आशीष सिंह जनपद आजमगढ़ में जिला समाज कल्याण अधिकारी के पद पर तैनात थे। उनको तीन वर्ष का एक बेटा है। शनिवार को वह ड्यूटी पर जाने के लिए तैयार हो रहे थे। उसी समय पत्नी क्षमता का फोन आया और किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद आशीष घर में चले गए और फांसी के फंदे से लटककर जान दे दी।

अवनीश पांडे हत्याकांड

- दिग्विजय शांत बैठकर भाई के चेहरे को निहारता रहा
- आंखों में आंसू और चेहरे पर था गहरा सदमा

प्रयागराज,संवाददाता। करछना में इंदिरा गांधी इंटर कॉलेज में बुधवार सुबह हुई छात्र अवनीश पांडे (17) की हत्या ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। कॉलेज परिसर में शिक्षकों और विद्यार्थियों की मौजूदगी में हुई इस घटना से न केवल छात्र–छात्राएं बल्कि अभिभावक भी खौफजदा हैं। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के करछना थाना क्षेत्र के कुलमई लाला का पुरा स्थित इंदिरा गांधी इंटर कॉलेज में छात्र अवनीश पांडे की हत्या के बाद एक बेहद ही दर्दनाक दृश्य सामने आया। एसआरएन अस्पताल में उसका छोटा भाई दिग्विजय पांडे बड़े भाई के शव को गोद में लेकर बैठा था। आंखों में आंसू और चेहरे पर गहरा सदमा था। वह शांत बैठा भाई के चेहरे को निहार रहा था।

जैसे उसकी आंखों से ही दर्द बोल रहा हो। छोटे भाई ने बताया कि दोनों रोज की तरह कॉलेज गए थे। दोपहर करीब 11 बजे लंच और खेल–कूद के दौरान कॉलेज में अचानक अफरातफरी मच गई। लोग दौड़ते हुए ऊपर की ओर भाग रहे थे और कुछ लोग चीखते चिल्लाते हुए नीचे उतर रहे थे।

इसी बीच किसी साथी से पता चला कि उसके भाई के दो सहपाठी चाकू मारकर भाग गए। वह भागते हुए छत पर पहुंचा तो देखा कि उसका बड़ा भाई खून से लथपथ पड़ा है। वह चीखते हुए उसके पास पहुंचा और उसे अपने हाथों में उठाया। छात्रों और शिक्षकों की मदद से अवनीश को सीएचसी करछना ले जाया गया। वहां गंभीर हालत होने पर रेफर किए जाने पर उसे एसआरएन अस्पताल भेजा गया।

रास्ते में दिग्विजय अपने भाई के सिर को गोद में रखकर भगवान से यही मनाता रहा कि किसी तरह से उसके भाई की जान बच जाए लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। वहीं जब छात्र की मौत की खबर मां और अन्य परिजनों तक पहुंची तो परिवार में कोहराम मच गया। इस दर्दनाक घटना के बाद कॉलेज से लेकर परिवार तक मातम पसरा रहा।

शिक्षकों की मौजूदगी में हुई छात्र की हत्या, सुरक्षा पर उठ रहे सवाल

करछना में इंदिरा गांधी इंटर कॉलेज में बुधवार सुबह हुई छात्र अवनीश पांडे (17) की हत्या ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। कॉलेज परिसर में शिक्षकों और विद्यार्थियों की मौजूदगी में हुई इस घटना से न केवल छात्र–छात्राएं बल्कि अभिभावक भी खौफजदा हैं। उधर कॉलेज में विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

छात्र और शिक्षकों की मौजूदगी के बावजूद नाबालिग छात्र चाकू लेकर परिसर में कैसे प्रवेश कर गए और इतनी भयावह घटना को अंजाम दे दिया, यह सवाल सभी की जुबान पर है। उधर, पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे रिश्तेदारों के बीच इस बात की भी चर्चा रही कि इसकी भी जांच होनी चाहिए कि घटना में नाबालिग छात्र क्यों शामिल हुए। क्या उनसे भी कोई विवाद था।

सवाल यह भी है कि अगर माहौल तनावपूर्ण था तो कॉलेज प्रबंधन को इसकी भनक क्यों नहीं लगी। आरोप लग रहे हैं कि कॉलेज प्रबंधन समय रहते स्थिति को भांप गया होता तो शायद इतनी बड़ी घटना नहीं घटती। इस बाबत स्कूल प्रबंधक मनोज पांडेय से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन उनका फोन लगातार बंद रहा।

लिफ्ट देने के बहाने युवक को बनाया बंधक, मोबाइल लूटने के बाद 98 हजार रुपये कराए ट्रांसफर

संवाददाता, लखनऊ। लिफ्ट देने के बहाने चारबाग से कार सवार बदमाश ने युवक को पॉलिटेक्निक चौराहे पर छोड़ने के बहाने बैठाया। उसे बंधक बनाकर बदमाश मेडिकल कालेज के पास ले गए। वहां डरा–धमकाकर मोबाइल लूटने के बाद 98 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए।

वजीरगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। फतेहपुर स्थित कसियापुर निवासी रोहित कुमार ने बताया कि 28 अगस्त की सुबह अस्पताल में भर्ती दादी को देखने लखनऊ आया था। रात में अस्पताल से निकलने में देर होने पर वह चारबाग स्टेशन पर सवारी का इंतजार कर रहा था।

इसी दौरान कार सवार एक युवक रूका। पॉलिटेक्निक तक लिफ्ट देने की बात कहकर बैठने को कहा। कुछ दूर जाने के बाद कार सवार ने रूट बदला तो रोहित ने टोका। इसपर कार सवार ने शार्ट कट की बात कही।

उसके बाद मेडिकल कॉलेज के पास आरोपित उसे लेकर पहुंचा। जान से मारने की धमकी देकर फोन छीना और उसके बाद कार से उतारकर फरार हो गया। आपबीती परिजन को बतायी। बाद में बैंक गया तो पता चला कि खाते से चार घंटे के अंदर करीब 98 हजार रुपये कई खातों में ट्रांसफर हुए हैं। इंस्पेक्टर वजीरगंज राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

बालिकाओं की शिक्षा पर भारी पड़ रही बेसिक शिक्षा अधिकारियों की सुस्ती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए शुरू किया गया खान एकेडमी कार्यक्रम इस शैक्षिक वर्ष में उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पा रहा है। गणित और विज्ञान जैसे अहम विषयों की पढ़ाई के लिए बनाए गए इस ऑनलाइन प्लेटफार्म पर अप्रैल से अब तक सिर्फ 70,442 बालिकाओं का पंजीकरण हुआ है। इनमें से भी केवल 51,810 बालिकाएं ही अपना अकाउंट एक्टिव कर पाई हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारियों (बीएसए) की सुस्ती बालिकाओं की पढ़ाई पर भारी पड़ रही है।

आधे से कम छात्राएं ही इस डिजिटल पहल से जुड़ सकी हैं। कई जिलों में तो स्थिति और भी खराब है। बलिया, रायबरेली, आगरा, बहराइच, प्रतापगढ़, आजमगढ़, महाराजगंज, मथुरा, गाजीपुर, कुशीनगर, गोंडा, शाहजहांपुर और महोबा जैसे जिलों में तो 60 प्रतिशत से भी कम बालिकाएं इस प्लेटफार्म का उपयोग कर रही हैं। पिछले माह के लिए तय किए गए मासिक लक्ष्य को भी विद्यालय पूरे नहीं कर सके। रिपोर्ट के अनुसार, गणित और विज्ञान के चार ग्रेड–स्तरीय कौशल में सिर्फ 27,272 बालिकाएं ही मास्टरी हासिल कर पाईं, जबकि संख्या इससे कहीं ज्यादा होनी चाहिए थी।शासन ने इसे गंभीरता से लेते हुए सभी जिलों को निर्देश दिए हैं कि इस हफ्ते के भीतर सभी बालिकाओं का पंजीकरण और अकाउंट एक्टिवेशन हर हाल में पूरा कराया जाए। साथ ही छात्राओं को अधिक से अधिक अभ्यास कराने पर जोर दिया जाए, ताकि वे दोनों विषयों में दक्षता हासिल कर सकें। बहराइच, बलरामपुर, बांदा, बाराबंकी, चंदौली, ललितपुर, मेरठ और मुजफ्फरनगर सहित 25 जिलों ने अब तक खान एकेडमी का डाटा डैशबोर्ड भी सक्रिय नहीं किया है।

400
करोड़ रुपये से भरे जाएंगे
सड़कों के गढ्ढे

50 हजार किमी लंबी सड़कें सुधरेंगी

लखनऊ,संवाददाता। यूपी में लोक निर्माण विभाग 50 हजार किमी लंबी सड़कों को सुधारेगा। इस पर कुल 400 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। वहीं, 22 सितंबर से पहले सभी दुर्गा पूजा मार्ग दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। पीडब्ल्यूडी ने सड़कों के गड्ढे भरने (पैच रिपेयर) का काम युद्धस्तर पर प्रारंभ कर दिया है। दिवाली से पहले 50 हजार किलोमीटर लंबी सड़कों के गड्ढे भरे जाएंगे। इस पर कुल 400 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। वहीं, प्रदेश में दुर्गा पूजा मार्ग 22 सितंबर से पहले दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत करीब 1.22 लाख सड़कें हैं, जिनकी कुल लंबाई 2.70 लाख किमी है। इस बार प्रदेश में बारिश सामान्य से ज्यादा हुई है। इससे सड़कों की दशा भी खराब हुई है। विभिन्न मंडलों से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, करीब 50 हजार किमी सड़कों में गड्ढे हैं। इन्हें पैच रिपेयर करके ठीक किया जाएगा। जिन मार्गों पर दुर्गा पूजा के लिए पांडाल लगने हैं, उन्हें अगले 10–12 दिन में गड्ढामुक्त करने के लिए काम शुरू कर दिया गया है। शेष मार्गों को भी 20 अक्तूबर से पहले सुधारा जाएगा। यहां बता दें कि पिछले साल पैच रिपेयर के मद में 340 करोड़ खर्च किए गए थे।

पीछे वाली सीट पर साथी युवती से करता रहा दरिन्दगी

बरेली,संवाददाता। थाना कादरचौक के एक गांव की युवती थाना सिविल लाइंस के एक मोहल्ले में रहती है। मंगलवार रात उसने आंवला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। युवती ने बताया कि इंस्टाग्राम पर उसकी दोस्ती मनौना के शानू से हो गई थी। शानू ने खुद की पहचान छिपाकर अपना नाम शनि बताया था। मनौना धाम घूमने आई बदायूं की अनुसूचित जाति (एससी) की युवती से उसके इंस्टाग्राम मित्र ने अपने दोस्त के सहयोग से मंगलवार रात चलती कार में दुष्कर्म किया। रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस ने बुधवार तड़के आंवला थाने के गांव मनौना निवासी आरोपी शानू और उसके दोस्त आरिफ को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। शानू के दोनों पैरों और आरिफ के दाहिने पैर में गोली लगी है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त कार, दो तमंचे, चार कारतूस मिले हैं।

बदायूं के थाना कादरचौक के एक गांव की युवती थाना सिविल लाइंस के एक मोहल्ले में रहती है। मंगलवार रात उसने आंवला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। युवती ने बताया कि इंस्टाग्राम पर उसकी दोस्ती मनौना के शानू से हो गई थी। शानू ने खुद की पहचान छिपाकर अपना नाम शनि बताया। यह भी कहा कि वह हिंदू है और उसी की जाति का है। दोनों में अक्सर बात होने लगी। वह मनौना धाम आई थी। इस बारे में उसने शानू को भी बताया था। शाम सात बजे शानू और उसका दोस्त आरिफ कार से आए। शानू ने उसे मीठी–मीठी बातों में फंसाकर कार में बैठा लिया और बिसौली रोड पर ले गया।

'मास्को से इस प्रथा को समाप्त करने को कहा', रूसी सेना में भारतीयों की भर्ती पर विदेश मंत्रालय का जवाब

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत ने रूस से मांग की कि वह रूसी सेना में भारतीय नागरिकों को सहायक कर्मचारियों के रूप में भर्ती करने की अपनी प्रथा को समाप्त करे। रूसी सेना की ओर से भारतीयों की नई भर्ती की खबरों के बाद नई दिल्ली ने रूसी सशस्त्र बलों में वर्तमान में सेवारत सभी भारतीयों को वापस भेजने की भी मांग की।

रूसी सेना में भारतीयों की भर्ती को लेकर केंद्र की सरकार ने अपना बयान जारी किया है।

मामले से जुड़े मीडिया के सवालों के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को कहा, 'हमने हाल ही में रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती के बारे में रिपोर्ट देखी हैं। सरकार ने पिछले एक साल में कई मौकों पर इस तरह की कार्रवाई में निहित जोखिमों और खतरों को रेखांकित किया है। इसके हिसाब से ही भारतीय नागरिकों को आगाह भी किया गया है।

'हम प्रभावित भारतीय नागरिकों के परिवारों के संपर्क में'

उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली और मॉस्को दोनों जगहों पर रूसी अधिकारियों के साथ भी यह मामला उठाया है।

हमने अनुरोध किया है कि इस प्रथा को समाप्त किया जाए। हमारे नागरिकों को वापस भेजा जाए। हम प्रभावित भारतीय नागरिकों के परिवारों के संपर्क में भी हैं।'

जान जोखिम में डालने वाले किसी भी प्रस्ताव से दूर रहने की अपील

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने लोगों से जान जोखिम में डालने वाले किसी भी प्रस्ताव से दूर रहने की अपील की।

उन्होंने अंत में कहा, 'हम अपने नागरिकों से अनुरोध करते हैं कि वे सकर्त रहें। हम भारतीय नागरिकों से अपील करते हैं कि वे रूसी सेना में शामिल होने के किसी भी प्रस्ताव से दूर रहे। ऐसा करना जान जोखिम में डालने या खतरे से खेलने जैसा है।

बैंक आफ बड़ौदा के साथ धोखाधड़ी करने वाले मुनव्वर खान को कुवैत से भारत लाई सीबीआई, भगोड़ा घोषित था जालसाज

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इंटरपोल चैनलों के जरिए कुवैत से मुनव्वर खान की वापसी को लेकर तालमेल किया। मुनव्वर खान जालसाजी और धोखाधड़ी के मामले में सीबीआई का वांछित अपराधी है। सीबीआई की अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग इकाई (आईपीसीयू) ने विदेश मंत्रालय और एनसीबी–कुवैत की मदद से रेड नोटिस के तहत वांछित मुनव्वर खान को 11 सितंबर 2025 को सफलतापूर्वक भारत वापस लाने में सफल रही। जालसाजी और धोखाधड़ी के मामले में वांछित मुनव्वर खान को वापस भारत ले आया गया है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने भारी मक्कत के बाद उसे कुवैत से भारत प्रत्यर्पित करवाने में सफलता पाई। सीबीआई की ओर से जारी बयान के मुताबिक, एजेंसी ने इंटरपोल चैनलों के माध्यम से भगोड़े अपराधी मुनव्वर खान की कुवैत से वापसी का सफलतापूर्वक समन्वय किया है। मुनव्वर खान जालसाजी और धोखाधड़ी के मामले में सीबीआई का वांछित अपराधी है। बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ धोखाधड़ी करने के बाद मुनव्वर खान, कुवैत भाग गया था।

कुवैत से हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचाया गया

सीबीआई की अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग इकाई (आईपीसीयू) ने विदेश मंत्रालय और एनसीबी–कुवैत के सहयोग से 11 सितंबर को वांछित रेड नोटिस अपराधी मुनव्वर खान को सफलतापूर्वक भारत वापस लाया गया है। मुनव्वर खान को कुवैत पुलिस की एक टीम द्वारा कुवैत से हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचाया गया। हवाई अड्डे पर सीबीआई, एसटीबी, चेन्नई की एक टीम ने उसे हिरासत में ले लिया। इससे पहले सीबीआई द्वारा इंटरपोल के माध्यम से एनसीबी–कुवैत के साथ गहन अनुवर्तन के माध्यम से इस विषय को कुवैत में पाया गया था।

बैंक को धोखा देने के तुरंत बाद आरोपी मुनव्वर खान कुवैत चला गया

मुनव्वर खान, सीबीआई की ओर से एसटीबी, चेन्नई में दर्ज एफआईआर संख्या आरसी 3 (एस) /2011 में आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपों में वांछित है। मुनव्वर खान ने अन्य लोगों के साथ मिलकर बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ धोखाधड़ी की थी। बैंक को धोखा देने के तुरंत बाद, आरोपी मुनव्वर खान कुवैत चला गया और उसे भगोड़ा घोषित कर दिया गया।

इंटरपोल के माध्यम से रेड नोटिस जारी करवाया

एसटीबी चेन्नई शाखा के अनुरोध पर सीबीआई ने इस मामले में 7 फरवरी 2022 को इंटरपोल के माध्यम से रेड नोटिस प्रकाशित करवाया। मुनव्वर खान को कुवैत के अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया और उसे भारत प्रत्यर्पित करने का निर्णय लिया गया। इंटरपोल की ओर से प्रकाशित रेड नोटिस, वांछित अपराधियों पर नज़र रखने के लिए दुनिया भर की सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भेजे जाते हैं।

130 से अधिक वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया गया

भारत में इंटरपोल के लिए राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो के रूप में, सीबीआई, इंटरपोल चैनलों के माध्यम से सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय करती है। पिछले कुछ वर्षों में इंटरपोल चैनलों के माध्यम से समन्वय करके 130 से अधिक वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया गया है।

यूपी के किसानों को खुशखबरी!

बढ़ाया जाएगा केसीसी और बीमा योजना का दायरा

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किसान बीमा योजना में कम कवरेज और केसीसी की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। उन्होंने बीमा कंपनियों और बैंक अधिकारियों को लापरवाही के खिलाफ चेतावनी दी और योजनाओं का विस्तार करने का निर्देश दिया। मंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फसल नुकसान के आकलन और मुआवजे के त्वरित वितरण का आदेश दिया।

लखनऊ,संवाददाता। प्रधानमंत्री किसान बीमा योजना से प्रदेश के अधिकांश किसानों के न जुड़ने को लेकर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने नाराजगी जताई है। कृषि मंत्री ने कहा कि पिछले दिनों प्रदेश के दो करोड़ से ज्यादा किसानों को सम्मान निधि दी गई थी, इनके मुकाबले बीमा कराने वालों की संख्या 20.41 लाख है, जो बहुत कम है। इसी तरह किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की प्रगति भी धीमी है। उन्होंने बैंक प्रतिनिधियों और बीमा कंपनियों को लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी दी।

आंकड़ों की स्थिति पोर्टल पर अपडेट कराएं

विधान भवन सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कृषि मंत्री ने कहा कि केसीसी और बीमा योजना का दायरा अधिक से अधिक बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान के सर्वे का काम जल्द पूरा करने और क्षतिपूर्ति के भुगतान की प्रक्रिया शुरू की जाए। लंबित प्रकरणों का भी जल्द निस्तारण करें। 14 सितंबर तक समस्त आंकड़ों की स्थिति पोर्टल पर अपडेट कराएं। कृषि मंत्री ने इसके बाद राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान में खाद निर्माता कंपनियों, उर्वरक प्रदाता कंपनियों के प्रतिनिधियों और विक्रेताओं साथ भी बैठक की। कृषि मंत्री ने कहा कि सभी हितधारक इस बात का ध्यान रखें कि किसान को उर्वरक प्राप्त करने में कठिनाई न हो। पर्याप्त उपलब्धता के लिए प्रदेश सरकार लगातार भारत सरकार के संपर्क में है।

दावा किया कि किसी जिले में उर्वरक की कमी नहल्ल है, वर्तमान में प्रदेश में 6.21 लाख टन यूरिया, 4.64 लाख टन डीएपी और 3.68 लाख टन एनपीएके की उपलब्धता है। मंत्री ने उर्वरक विक्रेताओं की समस्याएं सुनल्ल और संबंधित कंपनियों को निस्तारण के निर्देश दिए। कहा कि ओवर रेटिंग या टैलगग की शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान प्रमुख सचिव कृषि रवलद्र, सचिव कृषि इंद्र विक्रम सिंह, निदेशक पंकज कुमार त्रिपाठी, निदेशक उद्यान भानु प्रकाश राम आदि उपस्थित रहे।

ट्रंप की गलतियों से 20 साल पीछे जा सकते हैं भारत–अमेरिका के रिश्ते

कांग्रेसनल इंडिया काकस के सह–अध्यक्ष सांसद रो खन्ना ने इसका आयोजन किया

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई टैरिफ नीतियों और कूटनीतिक गलतियों ने भारत और अमेरिका के बीच 25 साल की मेहनत से बने रिश्तों को खतरे में डाल दिया है। एक प्रमुख डेमोक्रेट सांसद और कई पूर्व अमेरिकी राजनयिकों ने चेतावनी दी है कि अगर ये हालात नहीं सुधरे, तो दोनों देशों के बीच की साझेदारी को गहरा नुकसान हो सकता है। इस मुद्दे पर चर्चा के लिए एक आपातकालीन कॉन्फ्रेंस कॉल बुलाई गई, जिसमें भारत–अमेरिका रिश्तों की अहमियत को बचाने की आवाज उठी।

कांग्रेसनल इंडिया कॉकस के सह–अध्यक्ष सांसद रो खन्ना ने इसका आयोजन किया। इसमें पूर्व अमेरिकी राजदूत रिच वर्मा और एरिक गार्सेटी के साथ–साथ उद्योगपति विनोद खोसला और भारतीय मूल के टेक लीडर्स शामिल हुए। यह कॉल इस बात का सबूत है कि भारतीय–अमेरिकी समुदाय में इस रिश्ते को लेकर कितनी बेचैनी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों से भारत–अमेरिका रिश्तों में तनाव बढ़ गया है। डेमोक्रेट सांसद रो खन्ना ने पूर्व राजनयिकों और उद्योगपतियों के साथ आपातकालीन कॉन्फ्रेंस कॉल की जिसमें संबंधों को बचाने पर जोर दिया गया। रिच वर्मा ने कहा कि ट्रंप की नीतियों ने 25 साल की मेहनत को बर्बाद कर दिया।

रिश्ते को बचाने के लिए अलार्म बजाना जरूरी

रो खन्ना ने साफ कहा, "मैं ये कॉल तब तक न बुलाता, जब तक बात गंभीर न होती। हमें इस रिश्ते को बचाने के लिए अलार्म बजाना जरूरी है।" खन्ना ने पहले भी एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो में भारत–अमेरिका रिश्तों में आ रही गिरावट पर चिंता जताई थी। उनकी इस पहल से साफ है कि वो इस मुद्दे को कितनी गंभीरता से ले रहे हैं। इस कॉल में शामिल पूर्व राजदूतों ने भी हालात की गंभीरता को रेखांकित किया। रिच वर्मा ने कहा कि पिछले दो महीनों में ट्रंप की नीतियों ने 25 साल की मेहनत को मिट्टी में मिला दिया।

बिल क्लिंटन की भारत यात्रा का जिक्र

उन्होंने 2000 में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की भारत यात्रा का जिक्र किया, जब अमेरिका ने भारत–पाकिस्तान नीति को अलग–अलग करने का फैसला किया था। इसने दोनों देशों के बीच व्यापार, लोगों के आपसी रिश्ते, स्वच्छ ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की नींव रखी थी।

अश्नीर ग्रोवर का रियलिटी शो राइज एंड फाल शुरू हो गया है. शो का पहला एपिसोड आ गया है. शो में भोजपुरी स्टार पवन लसह भी नजर आने वाले हैं. उन्होंने आते ही फिल्म आफर कर दी है।

एंटरटेनमेंट डेस्क। बिग बॉस की तरह नया रियलिटी शो राइज एंड फॉल एमएक्स प्लेयर पर शुरू हो गया है. इस शो को अश्नीर ग्रोवर होस्ट कर रहे हैं. शो में 15 कंटेस्टेंट आए हैं. इस शो में भी कई टास्क होने वाले हैं जिसमें कंटेस्टेंट को खुद को साबित करना होगा. शो में बॉलीवुड सेलेब्स से लेकर टीवी के सितारे और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर आए हैं. भोजपुरी स्टार पवन सिंह भी इस शो का हिस्सा बने हैं. उन्होंने अपनी एंट्री से ही सबको चौंका दिया है।

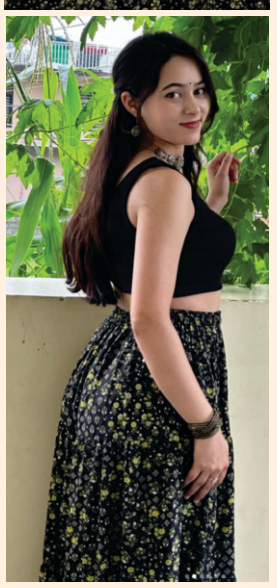

पवन सिंह के अलावा सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर आकृति नेगी भी शो में आई हैं. आकृति पहले भी रियलिटी शो का हिस्सा रह चुकी हैं. शो में आते ही पहले एपिसोड में पवन सिंह ने आकृति को भोजपुरी फिल्म ऑफर कर दी है.

आकृति को ऑफर की भोजपुरी फिल्म

भोजपुरी स्टार पवन सिंह शो में कम बात करते हुए नजर आए. जब सब सेटल हो रहे थे तब पवन सिंह और आकृति आपस में बात करते नजर आए. आकृति पवन सिंह ने उन्हीं की भाषा में बात कर रही थीं तो उन्हें पसंद आ रहा था. पवन सिंह आकृति से कहते हैं– एक तुम हो जो हमसे हमारी लैंग्वेज में बात कर रही हो. आकृति पवन सिंह ने पूछती हैं–

आप ऐसे ही स्लो हो क्या. कुछ तो बोलो, मैंने सुना है बिहार के लोग बहुत चटपटे होते हैं. वो पूछते हैं– 'यहां मुंबई में कबसे हो. कोई मूवी की हो. आकृति जवाब में कहती हैं– मूवी नहीं की है लेकिन बहुत मन है. मगर अभी वो चांस नहीं मिला.' इसके बाद पवन सिंह कहते हैं– 'चलो हम तुमको चांस देंगे.

मैं आपको चांस दूंगा. मैंने 250 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है. 'बता दें शो में अभी तक ज्यादा मसाला देखने को नहीं मिला है. मगर कुछ सेलेब्स पेंट हाउस में रहेंगे और बाकी बेसमेंट में रहेंगे. अब अगले एपिसोड में लड़ाई देखने को मिलने वाली है।

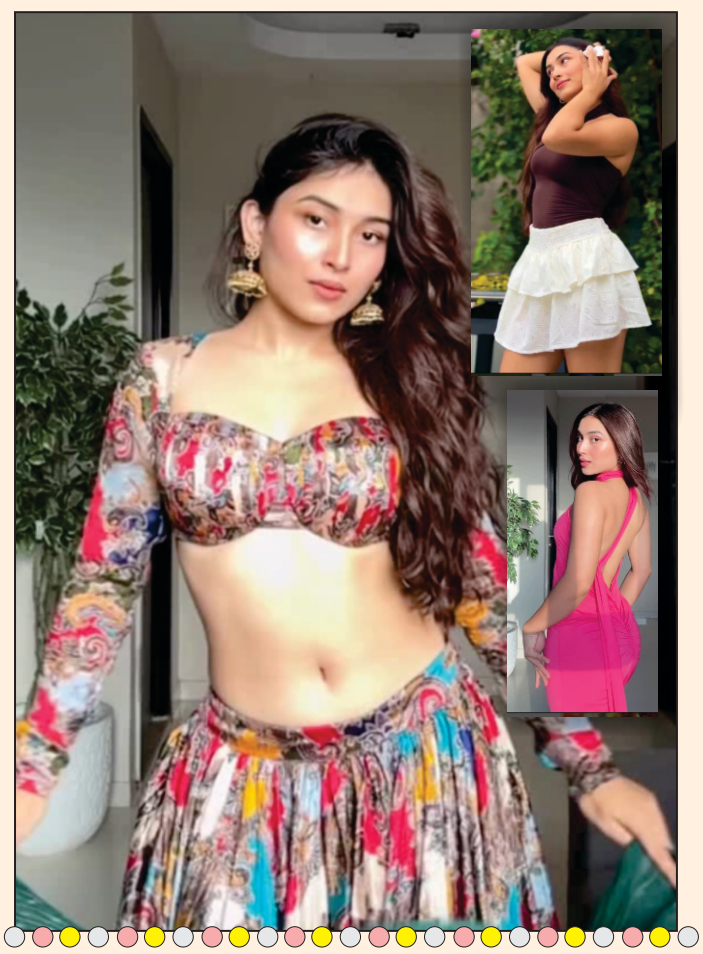

पलक की डेटिंग रुमर्स पर मां ने तोड़ी चुप्पी

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी का किसी न किसी एक्टर के साथ नाम जुड़ता रहता है. बेटी के ललकअप पर श्वेता तिवारी ने रिएक्ट किया है.

मुम्बई,एजेंसी। टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी बॉलीवुड में कदम रख चुकी है. पलक को एक्टिंग की दुनिया में अभी तक अपनी मां जैसी पहचान नहीं मिली है लेकिन वो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहती हैं. पलक का नाम अक्सर सैफ अली खान और अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान के साथ जुड़ता है. दोनों साथ में कई इवेंट्स, स्क्रीनिंग और फिल्म देखने जाते हुए भी स्पॉट होते हैं. हालांकि दोनों ने डेटिंग को लेकर चुप्पी साधी हुई है. अब पलक की मां श्वेता तिवारी ने पलक के लिंकअप्स पर रिएक्ट किया है. उन्होंने कहा है कि हर दूसरे लड़के के साथ पलक का नाम जोड़ दिया जाता है.

श्वेता तिवारी ने टीवी की दुनिया में कसौटी जिंदगी के से अलग पहचान बनाई है. वो कई फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं. श्वेता का कहना है कि उन्हें रूमर्स से कोई फर्क नहीं पड़ता है. लोगों को चार घंटे तक ही कुछ याद रहता है. श्वेता ने गलाटा इंडिया को दिए इंटरव्यू में बेटी पलक तिवारी के लिंकअप को लेकर रिएक्शन पर बात की है.

मुझे डर लगता है

श्वेता ने कहा– 'तो मुझे डर लगता है कि कहीं ऐसा नहीं हो कि अभी बच्ची है ना. कभी कोई चीज गलत लिखे. लोग कितने ब्रुटली लिखते हैं. हर सेंकड लड़के के साथ उसका अफेयर रहता है. तो अब मेरे समझ नहीं आता है कि वो कब तक बर्दाश्त करेगी. क्या करेगी. कभी उसे चुभ न जाए.'

रूमर्स पर बेटी करती है बात

कई सालों से इब्राहिम और पलक की डेटिंग की खबरें आ रही हैं. श्वेता ने बताया कि पलक ने उनके साथ कुछ लोगों के डेटिंग को लेकर भी बात की है. साथ ही ये भी कहा कि उन्हें यह भी नहीं पता था कि पलक किससे बात कर रही थी.

श्वेता ने कहा– उसने कभी नहीं कहा, लेकिन मुझे बताती है कि ओह मां, तुम्हें पता है कि मैं अब इस लड़के को डेट कर रही हूं. पता नई कब. उन्हीं से पूछना पड़ेगा. क्या तुम्हें पता है कि अब मैं उसे डेट कर रही हूं? मुझे मिली भी नई. ऐसे ये चलते रहते होंगे मजाक में कहते हैं. कभी–कभी आपको कोई चीज परेशान करती है तभी आप बोलते हो ना. मजेदार मजा मैंने बोला आपने नोटिस किया।

नीलम–शहबाज ने मृदुल तिवारी के बदले स्वभाव पर की चर्चा

एंटरटेनमेंट डेस्क। हाल ही में बिग बॉस 19 में माहौल काफी बदला हुआ नजर आ रहा है। कंटेस्टेंट्स के असली चेहरे धीरे–धीरे सामने आ रहे हैं। शो के नए प्रोमो में नीलम और शहबाज ने मृदुल के बदलते स्वभाव पर बात की। बिग बॉस 19 इस हफ्ते काफी रोमांचक होता जा रहा है। बीते दिनों कुनिका और तान्या के बीच कहासुनी ने सभी का ध्यान खींचा था। वहीं अब शहबाज बदेशा वाइल्ड कार्ड एंट्री के बाद से ही सुर्खियों में आते दिख रहे हैं। शो के जारी हुए नए प्रोमो में नीलम गिरी और शहबाज, मृदुल के बारे में बात करते दिख रहे हैं। आइए देखें दोनों ने मृदुल को लेकर क्या कहा।

शहबाज ने कहा– ये कैसे आ गया घर में

शो के इस नए प्रोमो में शहबाज बदेशा और नीलम गिरी बात करते हुए दिख रहे हैं। शहबाज ने कहा, 'एक अलग ग्रुप देख रहा हूं और मैं खुद शॉक्ड हूं।' इस पर नीलम ने कहा, 'हमने खुद मृदुल को पहली बार ऐसा देखा।' इसके आगे शहबाज ने कहा कि मृदुल जीतने से ज्याद हार गए, क्योंकि उन्हें लग रहा है कि शहबाज कैसे घर में आ गए।

'मैंने कल मृदुल के मुंह से गाली सुनी'

आगे प्रोमो में नीलम गिरी ने मृदुल के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'मैंने उसके मुंह से कल गाली सुनी, जिसके बारे में हमलोग अभी बात ही कर रहे थे।' इसके बाद शहबाज ने कहा, 'लोगों को असलियत पता चल रही है, मेरी गाली सुनी किसी ने वहां पे?' इसके आगे शहबाज ने कहा कि मृदुल को लग रहा है वो गाली देकर बहुत बड़े बन जाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि वो इस घर में काफी पहचान बनाकर ही जाएंगे।

ये कंटेस्टेंट्स आ रहे नजर

शो में टीवी एक्टर गौरव खन्ना, टीवी एक्ट्रेस अशनूर कौर, फिल्म एक्टर जीशान कादरी, सिंगर अमान मलिक, इंफ्लुएंसर आवेज दरबार, तान्या मित्तल के अलावा कई प्रतियोगी शामिल हैं।

इन दो दिग्गजों के कारण क्रिकेट की दुनिया में धाक जमा रहे हैं शुभमन गिल

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय क्रिकेट के नए पोस्टर ब्वॉय शुभमन गिल के नाम की इस समय चारों तरफ चर्चा है। रोहित शर्मा के टेस्ट रिटायरमेंट के बाद वह क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में भारत के कप्तान बने। हाल ही में एशिया कप में भी उन्हें टी20 टीम की उप–कप्तानी मिली। भारत की वनडे टीम के उप–कप्तान वह पहले से ही हैं। गिल ने धीरे–धीरे ही अपने पैर जमाए हैं और वह भारत के अगले सुपरस्टार क्रिकेटर की राह पर हैं। इस सफर की शुरुआत उन्होंने दो महान क्रिकेटरों को देखकर की थी। एक पॉडकास्ट में गिल ने बताया है कि वह इन खिलाड़ियों को अपना आदर्श मानते हैं। इन दो खिलाड़ियों में उन्होंने रोहित शर्मा का नाम नहीं लिया है। गिल ने रोहित के साथ काफी समय बिताया है। उनके साथ गिल ने भारत के लिए कई बार ओपनिंग की है।

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल ने उन दो दिग्गज क्रिकेटरों का नाम बताया है जिनको वह अपना आदर्श मानते हैं। गिल का करियर बनाने में भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह का रोल अहम है लेकिन गिल ने उनका नाम नहीं लिया है। गिल ने इन दो दिग्गजों की जमकर तारीफ की है जिसमें से एक उनके पिता के फेवरेट भी हैं।

शुभमन गिल ने बताए अपने दो आदर्श क्रिकेटर
शुभमन गिल ने नहीं लिया युवराज सिंह का नाम
भारत की टेस्ट टीम के कप्तान हैं शुभमन गिल

ये हैं दो दिग्गज

गिल ने कहा है कि वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को देखकर बड़े हुए और उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। इसके अलावा दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने विराट कोहली का नाम लिया है। एप्पल म्यूजिक के पॉडकास्ट पर गिल ने कहा, "मेरे दो आदर्श हैं। पहले हैं सचिन तेंदुलकर। वह मेरे पिता के फेवरेट थे और क्रिकेट में मैं उन्हीं के कारण आया। वह 2013 में रिटायर हो गए। इस दौरान जब मैं क्रिकेट को समझने लायक हो गया, सिर्फ स्किल्स के तौर पर नहीं बल्कि मानसिक और रणनीतिक तौर पर, तब मैं विराट कोहली को फॉलो करने लगा।" उन्होंने कहा, "वह जिस तरह से अपना काम करते थे वो मुझे पसंद था। खेल के लिए जो उनका पास जुनून था और जो भूख लेकर वह मैदान पर उतरा करते थे। आप स्किल्स सीख सकते हैं, तकनीक सीख सकते है, लेकिन भूख ऐसी चीज है जो आपके पास होती है या नहीं होती है। विराट के पास ये थी और इसने मुझे प्रेरित किया।" देखा जाए तो गिल को निखारने में भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह का अहम रोल रहा है। गिल इस बात को कई बार कह चुके हैं और युवराज को कई बार गिल के खेल में सुधार करने की सलाह देते हुए देखा भी गया है।

गिल पर है बड़ी जिम्मेदारी

गिल के कंधों पर आने वाले दिनों में काफी जिम्मेदारी बढ़ने वाली है।
भारतीय टीम में रोहित और कोहली नहीं हैं। गिल टीम के मुख्य बल्लेबाजों में शुमार हो गए हैं। इंग्लैंड दौरे पर उन्होंने जिस तरह का प्रदर्शन किया था उसने उम्मीदों को और बढ़ा दिया है। बीसीसीआई उन्हें तीनों फॉर्मेट में कप्तानी देने के बारे में सोच रहा है, ऐसे में गिल पर जिम्मेदारियों का भार आने वाला है और देखना होगा कि वह इसे किस तरह से संभालते हैं।

रोहित शर्मा और विराट कोहली के कारण स्टेडियम हैं खाली

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी का एशिया कप पर गहरा असर देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से भारत–पाकिस्तान जैसे हाई वोल्टेज मैच के सभी टिकट नहीं बिके हैं। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि रोहित–कोहली की अपार लोकप्रियता के कारण स्टेडियम पर लोग आते थे और उनके नहीं खेलने का असर दिख रहा है।

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने एशिया कप में रविवार को भारत–पाकिस्तान मैच के सभी टिकट नहीं बिकने की वजह बताई है। चोपड़ा ने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली की गैरमौजूदगी इसका बड़ा कारण हैं। चोपड़ा ने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों फैंस के चहेते हैं और इन्हें देखने के लिए फैंस स्टेडियम में आते हैं। हालांकि, इनकी गैरमौजूदगी का असर टिकट बिक्री पर साफ दिख रहा है।

आकाश चोपड़ा ने क्या कहा

जब विराट कोहली रणजी ट्रॉफी मैच खेलने गए तो स्टेडियम लगभग भर गया था। उनकी गैरमौजूदगी उन बड़े कारणों में से एक है कि जल्दी टिकट क्यों नहीं बिक रहे हैं। चोपड़ा ने ध्यान दिलाया कि यूएई में क्रिकेट फैंस जल्दी स्टेडियम भरते हैं, लेकिन इस बार मैदान खाली हैं। बांग्लादेश, भारत और अफगानिस्तान अपने मैच खेल चुके हैं, लेकिन स्टेडियम में दर्शकों का हुजूम देखने को नहीं मिला। चोपड़ा ने स्पष्ट किया कि टिकट के दाम महंगे होने के कारण ऐसा नहीं है। ऐसा भी नहीं कि सप्ताह के दिनों में लोगों को मैच स्टेडियम में आकर देखने में तकलीफ हो।

दो खिलाड़ियों के कारण...

आकाश चोपड़ा ने ध्यान दिलाया कि कैसे रोहित शर्मा और विराट कोहली अपने खेलने वाले दिनों में फर्क दिखाते थे। उन्होंने कहा, 'अगर ये दोनों खिलाड़ी होते तो स्टेडियम में दोहरी संख्या में लोग नजर आते। मान लीजिए कि अगर 5,000 लोग शुरुआत में आए तो अगर रोहित–कोहली खेलते तो कम से कम दर्शकों की संख्या 10 से 15 हजार होती। उन्हें व्यक्तिगत तौर पर इन्हें देखने का दुर्लभ मौका मिलता और इनकी गैरमौजूदगी का ये प्रभाव है।'

बता दें कि भारतीय टीम ने एशिया कप में अपने अभियान की विजयी शुरुआत की। सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाली भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में यूएई को 9 विकेट से मात दी। अब टीम इंडिया का 14 सितंबर को चिर–प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से मुकाबला होगा।

सचिन तेंदुलकर के बीसीसीआई अध्यक्ष बनने की अटकलें तेज, दिग्गज ने जारी किया बयान

स्पोर्ट्स डेस्क। सचिन की कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'हमारे संज्ञान में आया है कि सचिन तेंदुलकर के नाम पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष पद के लिए विचार किए जाने या नामांकित किए जाने के बारे में कुछ खबरें और अफवाहें फैल रही हैं। हम स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है।'दिग्गज बल्लेबाज और पूर्व भारतीय कप्तान सचिन तेंदुलकर ने गुरुवार को इन अटकलों को खारिज कर दिया कि वह भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का अगला अध्यक्ष बनने की दौड़ में हैं। उनकी प्रबंधन फर्म ने ऐसी सभी बातों को निराधार बताया। तेंदुलकर की प्रबंधन फर्म ने उनकी ओर से बयान जारी कर इन अटकलों पर विराम लगा दिया है कि वह रोजर बिन्नी के संभावित उत्तराधिकारी हो सकते हैं। बिन्नी का कार्यकाल जुलाई में उनके 70 वर्ष के होने पर समाप्त हो गया था।

सचिन की फर्म ने किया अफवाहों का खंडन

कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'हमारे संज्ञान में आया है कि सचिन तेंदुलकर के नाम पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष पद के लिए विचार किए जाने या नामांकित किए जाने के बारे में कुछ खबरें और अफवाहें फैल रही हैं। हम स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। हम सभी संबंधित पक्षों से अनुरोध करते हैं कि वे निराधार अटकलों पर ध्यान नहीं दें।'

28 सितंबर को होगी बीसीसीआई की आम वार्षिक बैठक

दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड को 28 सितंबर को अपनी वार्षिक आम बैठक में चुनाव कराने हैं। बिन्नी को अक्तूबर 2022 में बीसीसीआई अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और बोर्ड के संविधान में इस पद के लिए 70 वर्ष की आयु सीमा निर्धारित है। बीसीसीआई लोकपाल और आचरण अधिकारी की नियुक्ति भी वार्षिक आम बैठक के दौरान की जाएगी जबकि आईसीसी में बोर्ड के प्रतिनिधि की भी नियुक्ति की जाएगी।

अर्शदीप प्लेइंग II से नदारद

स्पोर्ट्स डेस्क। अर्शदीप ने अपना पिछला अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच 223 दिन पहले यानी 31 जनवरी को खेला था। इसके बाद उन्होंने केवल दलीप ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में नॉर्थ जोन की ओर से खेलते हुए मैदान पर वापसी की थी, लेकिन वहां भी वे खास असरदार नहीं दिखे। अर्शदीप फिलहाल भारत के सबसे सफल टी20 गेंदबाजों में शुमार हैं और 63 मैचों में 99 विकेट झटक चुके हैं। एशिया कप 2025 में भारतीय टीम ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को हराकर जीत के साथ आगाज किया है। गुरुवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर खेले गए इस मुकाबले में सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाली टीम ने यूएई को महज 27 गेंदों के भीतर नौ विकेट से हराकर मौजूदा टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की। अब टीम की नजर रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले पर है।

दी नेक्स्ट पोस्ट
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित।
पिनः– 273003
UPHIN/2023/90814
बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com
नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।